



Wrap it in Leaves

From sal to screw pine to sugar palm, Indians use a mind-boggling variety of leaves to cook their food in.

The science of getting a good night's sleep in hotels

A Tail-Wagging Winter Extravaganza

The 26th Jaipur Dog Show brought together over 500 dogs from across the country.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

अमेरिका को औद्योगिक उत्पादन का केन्द्र बनाना, कर्णाप्रिय नारा ही रह जायेगा?

क्या अमेरिका अपने इन्फ्रास्ट्रक्चर, परिवहन, ऊर्जा, डिजिटल नेटवर्क में इतना पैसा लगा सकेगा, जिससे अमेरिका में औद्योगिक गतिविधि बढ़ाने (काम करना) का खर्चा, चीन में काम करने के खर्च की तुलना में महंगा न हो।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 21 फरवरी। अपनी बात को सच सिद्ध करते हुये, डॉनल्ड ट्रम्प सोमवार को फिर से अमेरिकन राष्ट्रपति बन गये हैं, भले ही वहाँ के तमाम सन्तुलन बिगड़ गये हों। उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में संरक्षणवाद, अमेरिकन मैन्युफैक्चरिंग के पुनरोद्धार तथा "अमेरिकन फ्रन्ट" की नीतियों पर जोर दिया था। उनका यह भाषण रूढ़िवादी अमेरिकनों तथा उन लोगों को बहुत प्रिय लगा होगा, जिन्होंने उन्हें पतनोन्मुखी अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के लिये उन्हें विशाल जनादेश दिया है। ट्रम्प की भाव-भंगिमा नीतियों के माहले में शेष विश्व को उनके अनुकूल होना आवश्यक कर देगी। अनिश्चितता के इस दौर में अन्य राष्ट्र स्थिरता और ग्रोथ बनाये रखने के लिये अपनी नीतियों में आंशिक बदलाव के लिये मजबूर हो

- ऑपरेटिंग कॉस्ट कम करने के लिये शिक्षा व स्किल डवलपमेंट में भारी तब्दीली की जरूरत होगी।
- चीन में निर्मित वस्तुओं पर भारी टैक्स से चीन व अमेरिका में प्रतिस्पर्धा व दूरी बढ़ेगी तथा अन्य देशों को किसी न किसी की तरफ झुकना होगा, जिससे विश्व में तनाव बढ़ेगा।
- ट्रम्प की नीतियों के कारण विश्व की वर्तमान व्यवस्था (ग्लोबल ऑर्डर) बदलेगी तथा अमेरिका की अन्य देशों के साथ में लेकर, उनके साथ मंथन करके नीति निर्धारण करने की आदत नहीं है और यह आदत मजबूत होगी, जिससे ध्रुवीकरण बढ़ेगा।
- इससे कुछ देशों को थोड़ा लाभ हो सकता है, पर, अधिकतर देशों को इस इकोनॉमिक भूचाल का सामना करने में काफी कष्ट होगा।

जायेंगे। घरेलू निर्माण को प्राथमिकता देना एवं आयातों पर निर्भरता कम रखने को प्राथमिकता देने का ट्रम्प का वादा व्यापार में अवरोधों के फिर से उभरने, जिनमें टैक्स और कड़ी व्यापारिक नीतियाँ शामिल हैं, का संकेत दे रहा है। यह चीज वैश्वीकरण को अलविदा कहने का प्रतीक है तथा इससे लम्बे समय से स्थापित ट्रेड-पैटर्न अवरूद्ध होंगे तथा वैश्विक बाजार में अनिश्चितता पैदा होगी। जहाँ तक अमेरिका को अग्रणी मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की आकांक्षा का प्रश्न है, यह एक महत्वाकांक्षा है तथा इसमें बहुत बाधाएं आयागीं। अमेरिकन

मैन्युफैक्चरिंग सैक्टर उन्नत उद्योगों की दिशा में बढ़ चुका है, जिसके लिये अत्यधिक कुशल श्रमिकों की आवश्यकता है। चीन, जिसे कॉस्ट एफिशिएंसी के लिये जाना जाता है, जैसे देशों को प्रतियोगिता में, नवाचार और स्वचालित मशीनों की जरूरत होगी, (शेष पृष्ठ 3 पर)

एआईसीसी में काम-काज लगभग ठप्प है, फेरबदल के इंतजार में

कई पदाधिकारी पूर्णतया अस्वस्थ हैं, कई "अच्छी" जिम्मेवारी की चाह में कई बार वर्तमान पद छोड़ने की प्रबल इच्छा जाहिर कर चुके हैं, पर, संभावित व बहुप्रतीक्षित फेरबदल केवल चर्चाओं तक ही सीमित है

- रेणु मिश्र -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -
नई दिल्ली, 21 जनवरी। इस समय एआईसीसी में काम-काज वस्तुतः रुक-सा गया है, क्योंकि अत्यधिक सीनियर तथा उनसे कुछ कम सीनियर नेतागण एआईसीसी में लम्बे समय से चर्चित और सोची-समझी फेरबदल होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। लेकिन अभी तक तो केवल सुगुणाहट एवं अपेक्षाएँ ही अस्तित्व में हैं, उस दिशा में किसी प्रकार की जमीनी हलचल या गतिविधि दिखाई नहीं दे रही है। एक पार्टी पदाधिकारी ने कहा कि बदलाव तो काफी लम्बे समय से लम्बित हैं, लेकिन अब तक ऐसा प्रतीत नहीं हुआ है कि इस मामले में कोई गंभीर कवायद हुई है या हो रही है। ऐसे नेता, जो काफी अस्वस्थ हैं

के.सी. वेणुगोपाल, सुरजेवाला, सुखविन्दर सिंह रंधावा, हरियाणा प्रभारी बाबरिया, देवेन्द्र यादव, भँवर जितेन्द्र सिंह, अविनाश पाण्डेय, उस लिस्ट में प्रमुख हैं, जिनको पद मुक्ति की पुरानी आशा है। पर, फिलहाल, फेरबदल होता नजर नहीं आ रहा, क्या ऐसे में नरेन्द्र मोदी की भाजपा को हराने की तैयारी हो रही है. कांग्रेस में।

तथा अपना काम करने की स्थिति में नहीं है, आज भी अपने पदों पर बने हुये हैं। बाबरिया, जो अस्पताल में भर्ती थे, आज भी हरियाणा के प्रभारी हैं, जबकि उन्हें दिल्ली का प्रभार भी संभालना है, जिसे वे अभी तक नहीं संभाल पाये हैं। वे अभी हरियाणा प्रभारी पद से मुक्त नहीं किये गये हैं। दिल्ली के पीसीसी अध्यक्ष देवेन्द्र यादव पंजाब के प्रभारी भी हैं। यह स्थिति हर तरफ से बेमेल ही मानी जायेगी। इससे

भी ऊपर एक बात और वे दिल्ली विधानसभा चुनाव भी लड़ रहे हैं तथा पप्पू यादव आज उनके चुनाव क्षेत्र में प्रचार करने भी आये थे। भँवर जितेन्द्र सिंह, जो दो राज्यों-मध्य प्रदेश एवं असम, के प्रभारी हैं, ने पार्टी नेतृत्व को पत्र लिखा है कि वे मध्य प्रदेश का प्रभार छोड़ना तथा असम के प्रभारी बने रहना चाहते हैं। उनके नेतृत्व में, कांग्रेस की ओडिशा में जबरदस्त हार (शेष पृष्ठ 3 पर)

गौतम अडानी ने महाकुंभ में पूजा की

प्रयागराज, 21 जनवरी। महाकुंभ में अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने संगम पर पूजा-अर्चना की और प्रसिद्ध बड़े हनुमान जी के मंदिर में दर्शन किए। संगम में पूजा करने के बाद मीडिया से बात करते हुए गौतम अडानी ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में मुझे जो अनुभव हुआ, वो अद्भुत है। यहां के प्रबंधन के लिए मैं देशवासियों की तरफ से प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी

इस्कॉन के साथ अडानी समूह महाकुंभ में रोज एक लाख श्रद्धालुओं को महा प्रसाद का वितरण कर रहा है।

आदित्यनाथ को धन्यवाद देना चाहता हूँ। यहां जो प्रबंधन है- वो प्रबंधन संस्थानों के लिए शोध का विषय है। मेरे लिए मां गंगा के आशीर्वाद से बड़ कर कुछ नहीं है। गौतम अडानी ने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश में अवसर बहुत ज्यादा है, राज्य के विकास में अडानी ग्रुप का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। अडानी इस्कॉन पंडाल में आयोजित भंडारा सेवा में भी शामिल हुए। (शेष पृष्ठ 3 पर)

पूरे देश में 26 जनवरी को किसान ट्रैक्टर मार्च

सिरसा, 21 जनवरी। सयुंक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) गैर-राजनीतिक, केएमएम व जगजीत सिंह डल्लेवाल के आह्वान पर 26 जनवरी को पूरे देश में किसान ट्रैक्टर मार्च निकालेंगे, जिसके लिए पांच पॉइंट दिए गए हैं। साईलोज, टोल प्लाजा, भाजपा मुख्यालय, एमपी, एमएलए, मंत्रियों के घर, शॉपिंग मॉल व राष्ट्रीय व राज्यमार्ग पर दोपहर 12 बजे से लेकर 1.30 बजे तक पूरे देश के किसानों का ट्रैक्टर सड़कों पर होगा। इसी कड़ी में सिरसा जिले में भी

- संयुक्त किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष लखविन्दर सिंह ने घोषणा की।

कई पॉइंट बनाए गए हैं, जिसमें भावदीन टोल प्लाजा, खुईया टोल प्लाजा, ओडॉ से फनीवाला, साहुवाला, खारिया, सादेवाला, बनी, दमदमा, पोहड़का, चोपटा, रोड़ी से फगू सहित कई जगहों पर 26 जनवरी को दोपहर 12 बजे से 1.30 बजे तक किसान अपने ट्रैक्टरों से मार्च निकालेंगे।

उक्त जानकारी बीकेंद्र प्रदेशाध्यक्ष लखविंदर सिंह ने मंगलवार को मीडिया को दी। उन्होंने बताया कि पिछले 344 दिनों से खनौरी, शंभू व रतनपुर बाँडरों पर एसपी खरीद गारंटी कानून व किसानों, मजदूरों की कर्ज माफ़ी सहित 12 मांगों को लेकर किसान आंदोलन-2 चल रहा है। पंजाब-हरियाणा के खनौरी बाँडर पर किसान नेता जगजीत सिंह (शेष पृष्ठ 3 पर)

‘ब्रिक्स देश “डॉलर” से दूरी बनायें और हम देखते रहें?’

ट्रम्प ने पद संभालते ही ब्रिक्स देशों को चेतावनी दी और कहा कि विश्व व्यापार में डॉलर के महत्त्व को घटाने का प्रयास हुआ तो अमेरिका ब्रिक्स देशों पर सौ प्रतिशत शुल्क लगायेगा

- धमकी की फुसफुसाहट होते ही भारत ने इस मुद्दे पर समझौते की बात करनी शुरु कर दी।
- विदेश मंत्री जयशंकर ने दोहा में कहा, भारत का कोई इरादा नहीं है, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में डॉलर का महत्त्व कम करने का। अमेरिका हमारा सबसे बड़ा "ट्रेड पार्टनर" है और हमारा डॉलर के महत्त्व को कम करने का कतई इरादा नहीं है।
- जैसा कि विदित ही है, अन्तर्राष्ट्रीय डॉलर का हिस्सा, जो 1999 में 71 प्रतिशत था, अब 2024 के मध्य में घट कर 58 प्रतिशत रह गया है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 21 फरवरी। पदभार ग्रहण करने के शीघ्र बाद, प्रैसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप ने ब्रिक्स देशों, जिनमें भारत भी शामिल है, पर सौ प्रतिशत टैरिफ (शुल्क) लगाने का सुझाव दिया। ट्रंप का दावा है कि यह कदम वॉशिंगटन और दिल्ली के बीच व्यापारिक समीकरण को नया रूप दे सकता है। ओवल ऑफिस से कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर करते हुए ट्रंप ने कहा, "एक ब्रिक्स देश के रूप में अगर वे उस योजना को लागू करने के बारे में सोचते भी हैं, तो उन्हें सौ प्रतिशत टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। वे इसे तुरंत छोड़ देंगे।" उनके बयान का संकेत ब्रिक्स देशों की, वैश्विक व्यापार में अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता को कम करने की सोच को तरफ था। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि उनका बयान एक दृढ़ रुख है, न कि धमकी। शपथ ग्रहण से पहले, ट्रंप ने दिसम्बर 2024 में ही चेतावनी दे दी थी कि वे ऐसे शुल्क लागू करेंगे, जब तक ब्रिक्स देश यह वचन नहीं देते कि वे अमेरिकी डॉलर का विकल्प नहीं बनाएंगे। अपने "ट्रथ सोशल" प्लेटफॉर्म पर उन्होंने कहा, "ब्रिक्स देश डॉलर से

दूर जाएं और हम देखते रहें, अब ऐसा नहीं होगा।" भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दिसम्बर 2024 के दोहा फोरम में प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा था कि अमेरिकी डॉलर को कमजोर करने में भारत की रुचि नहीं है। ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान भारत के उनके साथ मजबूत संबंधों का हवाला देते हुए जयशंकर ने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप के बीच व्यक्तिगत कनेक्शन है। भारत डॉलर-निर्भरता को कम करने की कोशिश नहीं कर रहा है, और ब्रिक्स की अपनी अलग मुद्रा का कोई प्रस्ताव नहीं है। अमेरिका हमारा सबसे बड़ा ट्रेड

पार्टनर है, और डॉलर को कमजोर करने का कोई कारण नहीं है।" ब्रिक्स, जो दस देशों- भारत, रूस, चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, इंडोनेशिया, और और अधिक मजबूत हुआ। रूस डॉलर-निर्भरता को कम करने का मुखर समर्थक रहा है और इसे पश्चिमी-प्रभुत्व वाले वितीय सिस्टम से दूर रहने की रणनीति के रूप में देखा है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

कोलकाता रेप-मर्डर केस, सीजेआई आज करेंगे सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट में जाँच की खामियों को लेकर दर्ज याचिका में मृतक जूनियर डॉक्टर के माता-पिता भी पार्टी हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 21 जनवरी। आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल में जूनियर डॉक्टर के दुष्कर और हत्या का मामला दिन पर दिन और ज्यादा जिज्ञासा का मखला बन रहा है। कोलकाता के सिटी कोर्ट ने मुख्य आरोपी को आजीवन कारावास की सजा दी है और अब सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की बेंच में बुधवार को केस की सुनवाई होगी जिसमें जांच के नतीजों की समीक्षा को जाएगी। सुप्रीम कोर्ट में दर्ज याचिका में मृतक डॉक्टर के माता-पिता भी पार्टी हैं। सुप्रीम कोर्ट जांच की खामियों और दोषों की जानकारी दी गई है संभावना है कि मामले को फिर खोला जाएगा ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या इस अपराध में अन्य लोग भी शामिल थे।

मृतक जूनियर डॉक्टर के पिता ने 42 सवाल, जिनके उन्हें जवाब नहीं मिले हैं, की लिस्ट लेकर सुप्रीम कोर्ट में दस्तक दी है। ऐसी संभावना है कि सुप्रीम कोर्ट केस को रीओपन कर सकता है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सियालदह सिटी कोर्ट के फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी, उन्होंने आरोपी संजय रॉय को फांसी देने की मांग की।

वहीं, मृतका के परिजनों व कई अन्य का कहना है कि इस जांच में कई बड़े लोगों को बचाया गया है।

कानून विशेषज्ञों का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के साथ समूचा केस नया मोड़ ले सकता है।

सियालदह सिटी कोर्ट के फैसले को राज्य सरकार ने भी हाईकोर्ट में चुनौती दी है जिस पर बुधवार को सुनवाई होगी। राज्य राजनैतिक दल भी इस पूरे फैसले तथा घटनाक्रम को मोड़ ले रहे हैं उस पर काफी सक्रिय हैं। जिसकी भाजपा राज्य सरकार हर साजिश में

शामिल होने तथा सबूत नष्ट करने का आरोप लगा रही है और सतारूढ पार्टी यह साबित करने में रात दिन एक कर रही है कि आरोपी को सजा दिलाने के लिए वह कितनी गंभीर है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहले दिन से ही आरोपी को फांसी की सजा देने की मांग कर रही है और अब सियालदह कोर्ट के फैसले के बाद उन्होंने आरोपी संजय रॉय को फांसी देने की मांग पर ज्यादा शोर मचाना शुरू कर दिया है। कानूनविद मानते हैं कि सुप्रीम कोर्ट की हाई पावर बेंच के समक्ष रेप व मर्डर का यह मामले आने से समूचे केस ने नया मोड़ ले लिया है सबसे महत्वपूर्ण बात है राज्य पुलिस के आचरण व्यवहार पर सवाल उठ रहे हैं। सियालदह कोर्ट के 132 पृष्ठ के फैसले में पुलिस के आचरण पर आरोप (शेष पृष्ठ 3 पर)

संकल्प पत्र-2 में भाजपा ने विद्यार्थियों व कामगारों के लिये घोषणायें कीं

नयी दिल्ली, 21 जनवरी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए संकल्प पत्र का दूसरा हिस्सा जारी

- जरूरतमंद बच्चों को केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा दी जायेगी।
- किया। विकसित दिल्ली संकल्प पत्र - 2 को पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने जारी किया। इस मौके पर उन्होंने दिल्ली में सतारूढ आम आदमी पार्टी के घोटालों की जांच कराने की बात कहते हुए कहा, हम जो कहते हैं, वो करके दिखाते हैं। मोदी की गारंटी है कि दिल्ली में हर गारंटी पूरी होगी। भाजपा ने अपने संकल्प पत्र-2 में विद्यार्थियों के लिए एक बड़ा ऐलान करते हुए कहा है कि दिल्ली में जरूरतमंदों के बच्चों को केजी से पीजी (शेष पृष्ठ 3 पर)

‘केवल अमेरिका में पैदा होना, किसी शिशु को अमेरिकी नागरिक होने का अधिकार नहीं देगा’

राष्ट्रपति ट्रम्प ने अमेरिका में "बर्थ टूरिज्म" खत्म करने का आदेश पारित किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 21 जनवरी। अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने और वाइट हाउस लौटने के साथ ही ट्रम्प ने बिना वक्त गंवाए अमेरिका को पुनः महान बनाने के अपने चुनावी वादे को पूरा करने और मौजूदा व्यवस्था को अस्थिर करने की "डिसरपशन" योजना शुरू कर दी है। वॉशिंगटन डी.सी. में कैपिटल हिल से दिए गए भाषण में ट्रम्प के समर्थकों ने उस समय भारी उत्साह दर्शाया, जब ट्रम्प ने कहा, अब से अमेरिका की अधिकारिक नीति में दो ही जेंडर होंगे "मेल और पीमेल"। ट्रम्प ने शपथ ली कि जाति और लिंग को सार्वजनिक एवं निजी जीवन के हर

"अगर किसी शिशु के माता-पिता में से एक अमेरिका का नागरिक नहीं है और वह दम्पती अस्थाई "वर्क परमिट" लेकर अमेरिका में रह रहा है या टूरिस्ट वीजा पर अमेरिका आया है, तो उनकी संतान को स्वमेव अमेरिका की नागरिकता नहीं मिलेगी।

अमेरिका में 54 लाख भारतीय हैं, जिसमें से 2/3 इमिग्रेंट्स (अप्रवासी) हैं तथा 34 प्रतिशत अमेरिका में जन्मे हैं।

ट्रम्प ने कहा, मेरा चुनाव भयानक विश्वासघात को पलटने के लिए था, आज से अमेरिका के पतन के दिन खत्म हुए। अपने भाषण में कहा, इस समय पनामा शहर पर चीन का कब्जा है। अमेरिका का एमरजेंसी रेस्पॉन्स सिस्टम टूट चुका है और विदेशों की जेलों और मानसिक संस्थानों से आए लोगों को अमेरिका में शरण दी जा रही है। ट्रम्प ने अपने कार्यकाल की

शुरुआत कई कार्यकारी आदेशों से की, जिनमें ऊर्जा, इमिग्रेशन अपराध की माफ़ी जैसी घोषणाएं थीं। ट्रम्प ने उन 1500 लोगों का माफ़ी दे दी, जो 2021 में अमेरिका के कैपिटल हिल में चुसे थे। उन्होंने, मैक्सिको सीमा पर आपातकाल लगाया। दूसरे विश्व युद्ध के बाद बनी वैश्विक व्यवस्था को कराार झटका देते हुए ट्रम्प ने अमेरिका को पेरिस

क्लाइमेट डील और वर्ल्ड हैल्थ ऑर्गेनाइजेशन से अलग कर दिया। उन्होंने अपराधी गुटों को आतंकी संगठन करार देने की घोषणा की। अमेरिकन परम्परा को एक और झटका देते हुए ट्रम्प ने गैर स्थायी निवासियों के बच्चों को जन्म के आधार पर अमेरिका की नागरिकता मिलाने के अधिकार को खत्म कर दिया। यह फैसला अमेरिका में स्थायी वीजा पर रहने वाले लाखों भारतीय को प्रभावित

कर सकता है। यह निर्णय 30 दिन में प्रभावी हो सकता है, पर इसे कानूनी चुनौती दी जा सकती है। न्यू हैम्पशायर के इमिग्रेशन वकीलों ने इस आदेश के खिलाफ केस भी दायर कर दिया है। जन्मसिद्ध नागरिकता वह कानूनी सिद्धांत है, जिसके आधार पर बच्चों को इस देश की नागरिकता मिलती है, जहाँ वे जन्म लेते हैं, भले ही उनके माता-पिता की राष्ट्रीयता कुछ भी हों। अमेरिका के संविधान में हुए 14वें संशोधन, जो 1868 में हुआ था, के तहत यह सिद्धांत लागू किया गया था। इसका उद्देश्य था गुलामी से मुक्ति पाने वालों की स्थिति स्पष्ट करना। इसके तहत अमेरिका में जन्म लेने वाले सभी (शेष पृष्ठ 3 पर)

सैफ 5 दिन बाद अस्पताल से घर पहुंचे

मुंबई, 21 जनवरी। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान, जो ब्रॉड स्थित अपने घर पर चोरी के प्रयास में किए गए हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए थे, को पांच दिन बाद मंगलवार को मुंबई के लीलावती अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इस मौके पर अभिनेता की मां एवं पूर्व अभिनेत्री शर्मिला टैगोर उनके साथ थीं। सैफ की पत्नी और अभिनेत्री करीना कपूर खान अस्पताल में मौजूद थीं लेकिन कुछ देर पहले घर के लिए रवाना हो गईं। प्राण जानकारी के अनुसार, सैफ को किसी भी संक्रमण से बचने के लिए एक सप्ताह तक पूरी तरह आराम करने और आंगुतकों से नहीं मिलने की सलाह दी गई है। अस्पताल के साथ-साथ खान के आवास पर भी भारी पुलिस तैनाती (शेष पृष्ठ 3 पर)

विचार बिन्दु

संसार के दुःखियों में पहला दुःखी निर्धन है। उससे दुःखी वह है जिसे किसी का ऋण चुकाना हो। इन दोनों से अधिक दुःखी वह है, जो सदा रोगी रहता हो और सबसे दुःखी वह है, जिसकी पत्नी दुष्टा हो। -विदुरनीति

गहलोत सरकार के समय राजस्थान में वित्त प्रबंधन के हाल ठीक नहीं

राजस्थान के वित्तीय हालात पर सीएजी की नई सालाना रिपोर्ट आ गई है। इसमें वित्त वर्ष 2022-23 के सरकार के लेखों और खातों का विश्लेषण किया गया है। संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार प्रति वर्ष आने वाली सीएजी की रिपोर्ट राज्य विधान सभा में प्रस्तुत की जाती है। उनकी टिप्पणियों पर विधानसभा की जनलेखा समिति में चर्चा होती है जिसमें प्रशासनिक अधिकारियों को तलब कर जवाब मांगा जाता है। मगर आम तौर पर विधानसभा के गिने-चुने सदस्य ही इन रिपोर्टों पर नजर डालते हैं। उन्हें गौर से पढ़ने और उसके आधार पर सदन में बहस करने की कोई जहमत नहीं उठाता। ऐसे में आम जन से कैसे अपेक्षा की जा सकती है कि वह ऐसी रिपोर्ट पढ़ कर राजकोष के प्रबंधन के बारे में गहराई से समझे और अपने उन प्रतिनिधियों से सवाल करे जिन्हें उसने अपना वोट देकर संसद और विधान सभाओं में भेजा है। सीएजी की यह रिपोर्ट हमें चिंता में डालती है, क्योंकि वह कहती है कि सरकार की प्रारितियों और व्यय अर्थात् आमदनी और खर्च के बीच अंतर लगातार बढ़ रहा है। आमदनी अर्थात् खर्चों से कम है। संवैधानिक संस्था की यह रिपोर्ट राजकोषीय तनाव का स्पष्ट संकेत देती है। जैसे कि इस रिपोर्ट को पढ़ कर हम पाते हैं कि राजस्थान सरकार की राजस्व प्रारितियों 2018-19 से 2022-23 तक 1,37,873 करोड़ से बढ़कर 1,94,988 करोड़ हुईं। दूसरे शब्दों में कहें तो सरकार की आमदनी में औसत वार्षिक वृद्धि की दर 9.75 प्रतिशत रही। इन राजस्व प्रारितियों में सहायता अनुदान का हिस्सा 2018-19 में 14.53 प्रतिशत से बढ़कर 2022-23 में 15.31 प्रतिशत हो गया, जो केंद्र सरकार से मिला। रिपोर्ट कहती है कि यह हालात राज्य की केंद्र पर बढती निर्भरता को दर्शाती है। हालांकि इसका एक सकारात्मक पहलू यह माना जा सकता है कि राज्य में इस दौरान विपक्ष की सरकार रही और उसको अनुदान देने में केंद्र सरकार ने भेद-भाव नहीं किया। हालांकि ऐसे राजनैतिक आरोप अमूमन लगते रहे हैं। राजस्थान को केंद्र प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस) के लिए केंद्र के हिस्से के रूप में 14,554 करोड़ मिले।

इसे समझने के लिए किसी वित्तीय ज्ञान की डिग्री की जरूरत नहीं होती कि घाटे से गाड़ी नहीं चलती। जब राजस्व प्राप्ति की तुलना में राजस्व व्यय की अधिकता होती है तो उसके परिणामस्वरूप राजस्व खाते में घाटा होगा। राज्य का राजस्व घाटा वर्ष 2018-19 में 28,900 करोड़ से बढ़कर चालू वर्ष में 31,491 करोड़ रुपये का हो गया। इसे राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के प्रतिशत के रूप में देखा जाए तो वह 2018-19 में यह घाटा 2.23 प्रतिशत था जो बढ़ कर 3.17 प्रतिशत हो गया। दूसरी तरफ राज्य सरकार ने पूंजी खाते पर केवल 19,798 करोड़ खर्च किए। पूंजी खाता वह होता है जिसमें राज्य की संपत्ति का निर्माण होता जो राज्य को आमदनी देती है। यह पूंजीगत खर्च वर्ष 2022-23 में कुल व्यय का केवल 8.03 प्रतिशत था। यह गौर करने की बात है कि पूंजीगत व्यय कुल उधार का मात्र 5.10 प्रतिशत था। इसका खुलासा करते हुए रिपोर्ट बताती है कि सरकार रुपये उधार लेकर उसका उपयोग मुख्य रूप से पूंजी निर्माण/विकास गतिविधियों पर करने के बजाय वर्तमान खर्च को पूरा करने और पुरानी उधारी चुकाने के लिए कर रही है। उधार लेकर उधारी चुकाने की नौबत हो तब तो सरकार से अपेक्षा की जानी चाहिए कि वह अपनी फिजूलखर्ची तो अंकुश लगाए। फिजूलखर्ची आलीशान सरकारी कार्यालयों के भवन और निर्वाचित प्रतिनिधियों के ऐश-ओ-आराम पर ही नहीं होती बल्कि गरीबों की मदद के नाम पर मुगत सुविधाओं की बंदर-बांट पर भी होती है। प्रतिस्पर्धात्मक चुनावी लोकतंत्र में सरकारें बेहतर शासन प्रशासन देकर आम लोगों के जीवन को ऊंचा उठाने में असफल रहने के बाद मुगत की चीजें बांट कर लोगों के वोट पाने की जुगत में लगती रहती है। यह सारी दुनिया जानती है कि खुले बाजार की इफ़रात वाली अर्थव्यवस्था में बाजार तो खूब दमकता है मगर नई बन रही संपत्ति केवल 21 प्रतिशत आबादी के हाथों में सज्जित रहती है। सरकारें आम लोगों को अर्थव्यवस्था में मजबूत बनाने के कठिन रास्ते पर चलने के बिना बाजार की ताकतों के इशारों पर चलने लगती है। जबकि अधिकांश संपत्ति ऊपर की 21 प्रतिशत आबादी में बंट जाती है तब सरकार सबसे नीचे की आबादी को मुगत राशन, मुगत पानी, मुगत पैशन देकर अपने वोट बचाना चाहती है। मगर सार्वजनिक शिक्षा तथा चिकित्सा और स्वास्थ्य से अपने हाथ खींचते हुए उन्हें निजी क्षेत्र के हवाली करती जाती है। इससे देश की 80 प्रतिशत आबादी गरीबी में रहने को अभिशप्त हो जाती है। जब सरकारें राजकोष से रोड़ियां बांटने में रस लेने लगती है तब राज्य की वित्तीय व्यवस्था बिगाड़ती चली जाती है। मगर क्योंकि सरकार नोट छाप सकती है और उधार लेकर तथा करों से अपनी आया बढ़ाने के इंतजाम करके काम चला सकती है इसलिए सरकारों की वित्तीय व्यवस्था ढहती नहीं। मगर वित्तीय व्यवस्था तनाव में जरूर आ जाती है जिसका खामियाजा विभिन्न करों की बढ़ोतरी तथा सार्वजनिक सेवाओं में गिरावट के रूप में सामने आता है। इस बार की सीएजी रिपोर्ट राजस्थान की जिस वित्तीय तनाव को उजागर करती है उससे प्रत्येक नागरिक का चिंतित होना लाजिमी है।

रिपोर्ट बताती है कि राज्य की सरकार अपने खर्चों पर अंकुश नहीं रख सकी है। राज्य के कुल खर्च 2018-19 में 1,87,524 करोड़ रुपये थे, वे 2022-23 में 31,422 करोड़ बढ़कर 2,46,452 करोड़ हो गए। दूसरी तरफ सरकार की राजस्व प्रारितियों 2021-22 में 15.10 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 13.79 प्रतिशत हो गई। प्रतिबद्ध व्यय के अलावा, 2018-19 से 2022-23 के दौरान राजस्व व्यय के 20.38 प्रतिशत से बढ़कर 28.49 प्रतिशत हो गया, जो एक बढ़ती प्रवृत्ति को दर्शाता है। इंप्लेक्सिबल व्यय 2021-22 में 63,251 करोड़ रुपये से बढ़कर 2022-23 में 64,525 करोड़ रुपये हो गया, जो 2.01 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता है। एक साथ लिया जाए तो 2022-23 में प्रतिबद्ध और इंप्लेक्सिबल व्यय 1,80,282 करोड़ था जो राजस्व व्यय का 79.60 प्रतिशत था। प्रतिबद्ध और इंप्लेक्सिबल व्यय में वृद्धि की प्रवृत्ति सरकार को अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्रों और पूंजी निर्माण के लिए कम लचीलापन देती है और उसका सबसे अधिक असर गरीब पर होता है। गैर-प्रतिबद्ध व्यय के अंतर्गत सब्सिडी में भी वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गई है, जो 2018-2019 में 21,540 करोड़ रुपये से बढ़कर 2022-23 में 26,166 करोड़ रुपये हो गई। इस अवधि के दौरान कुल सब्सिडी में बिजली क्षेत्र की सब्सिडी का हिस्सा 96.20 प्रतिशत से लेकर 98.44 प्रतिशत तक रहा जो बिजली सुधार के कार्यक्रमों के टिकाऊ नहीं होने को ही दर्शाता है। रिपोर्ट यह भी याद दिलाती है कि राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन (एफआरबीए) कानून के अनुसार, राज्य सरकार को वित्तीय वर्ष 2011-12 से शून्य राजस्व घाटा प्राप्त करना था और उसके बाद इसे बनाए रखना था या राजस्व अधिशेष प्राप्त करना था। मगर ऐसा नहीं हो पाया है। सीएजी का कहना है कि लगातार दसवें वर्ष, राज्य सरकार शून्य राजस्व घाटा प्राप्त करने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में असमर्थ रही। राजकोषीय रुझानों के अनुसार, राज्य की वित्तीय स्थिति काफी तनावपूर्ण है क्योंकि राजस्थान का सार्वजनिक ऋण-जीएसडीपी अनुपात 2018-19 में 25.59 प्रतिशत से बढ़कर 2022-23 में 26.63 प्रतिशत हो गया है। यह दर्शाता है कि निकट भविष्य में ऋण स्थिरीकरण में मुश्किल हो सकता है। सीएजी की टिप्पणी है कि सरकारी खातों के विश्लेषण और उसके परिणाम के अनुसार, राजस्थान राज्य की वित्तीय स्थिति में देनदारियों (ऋण, गारंटी, सब्सिडी, आदि) की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जो ऋण स्थिरीकरण और ऋण स्थिरता के लक्ष्य के लिए जोखिम पैदा करती है।

कोई निजी संस्थान ऐसा करे तो सरकार उसे पकड़ेगी, मगर सरकार ही जब ऐसा करे तब क्या किया जा सकता है। राज्य सरकार ने 2022-23 के दौरान 3,000 करोड़ की जीपीएफ जमाप्राप्ति, जो कर आय नहीं है, में से 1,000 करोड़ रुपये को राशि जिसे 'कार्मिक कल्याण कोष' में स्थानांतरित करना था उसे अपनी राजस्व प्रारितियों में स्थानांतरित कर दिया। वर्ष 2021-22 के दौरान भी, 1000 करोड़ की जीपीएफ जमाप्राप्ति को राजस्व प्रारितियों में स्थानांतरित कर दिया गया था। सरकार ने ऐसा अपनी राजस्व प्रारितियों को बढ़ा कर दिखाने और राजकोषीय घाटे को कम दर्शाने के लिए किया था। इससे सरकार की विश्वसनीयता की कमी होगी। बजट विश्वसनीयता के समग्र मूल्यांकन से पता चलता है कि यद्यपि वास्तविक व्यय और मूल बजट के बीच तथा वास्तविक व्यय और अंतिम बजट के बीच विचलन 10 प्रतिशत से कम था, फिर भी विभिन्न बजट अनुदानों में 25 प्रतिशत तक और उससे भी अधिक विचलन देखने को मिलता है। इसके अलावा, यह भी देखा गया कि कई मामलों में पूरक अनुदान ऐसे थे, जिनमें खर्चा मूल अनुदान के बराबर भी नहीं हुआ। सीएजी ने ऐसे विचलनों से निपटने के लिए एक विश्वसनीय बजट प्रक्रिया की आवश्यकता पर जोर दिया है जिस पर अमल किया जाना जरूरी है। इसके अलावा सरकार में बढती हुई एक नई प्रवृत्ति की ओर भी सीएजी ने ध्यान दिलाया है कि वह सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और स्थानीय निकायों के माध्यम से उधार लेती है, जो राज्य को समेकित निधि में नहीं आता, लेकिन बजट के माध्यम से चुकाया जाता है। वर्ष 2022-23 में, राज्य सरकार ने ऑफ बजट उधार के ब्याज और पुनर्भुगतान के लिए 1,279.39 करोड़ की सहायता अनुदान दिया। यह सरकार द्वारा उधार पर चुकाए गए पुनर्भुगतान और ब्याज के अतिरिक्त था। इन रिपोर्टों के बावजूद सरकार में सब चलता है।

-अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)



डॉ. रमेश बैरा

“उठो, जागो और तब तक नहीं रुको, जब तक लक्ष्य प्राप्त ना हो जाए” के उद्घोष के जरिए युवाओं को विशेष रूप से उद्देशित करने वाले, तथा सामाजिक समानता, सांप्रदायिक संद्धाने एवं समाजवाद के प्रबल पक्षधर, अपने समय के विद्रोही संन्यासी स्वामी विवेकानंद को सादर नमन। यह व्याख्यान मूलतः 'सिलेक्टड वर्क ऑफ स्वामी विवेकानंद' में संकलित विवेकानंद के भाषण एवं विचारों पर आधारित है, इनके सामाजिक चिंतन पर केंद्रित है। स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 में कोलकाता में हुआ। विवेकानंद के बचपन का नाम नरेंद्रनाथ था। विवेकानंद ने तभी तो उन्होंने संन्यास ग्रहण करने के पश्चात अपनाया, जब वे 1893 में अमेरिका के शिकागो शहर में विश्व धर्म सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रस्थान कर रहे थे। विवेकानंद पर अपनी माता और उनके गुरु श्री रामकृष्ण परमहंस का गहरा असर था। 1897 में विवेकानंद ने कोलकाता के पास बेलूर में प्रसिद्ध रामकृष्ण मिशन की स्थापना की। 4 जुलाई 1902 को केवल 39 वर्ष की अत्यायु में ही विवेकानंद का देहांत हो गया।

विवेकानंद के जीवन दर्शन के मुख्यतः तीन स्तंभ थे-प्रथम, वेदों तथा

वेदान्त की परंपरा; द्वितीय, गुरु रामकृष्ण परमहंस के साथ उनका संपर्क एवं संवाद एवं तृतीय, उनके अपने जीवन का अनुभव। इन तीनों ही स्तंभों के माध्यम से विवेकानंद के दार्शनिक और आध्यात्मिक विचारों का निर्माण हुआ जो अंततोगत्वा उनके विचारों के आधार स्तंभ बने।

विवेकानंद जाति-व्यवस्था का अंत चाहते थे। विवेकानंद अपने समय से आगे थे। जिस समय भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के नेता जाति प्रथा की स्पष्ट रूप से आलोचना करने में हिचकिया रहे थे, विवेकानंद ने शोषणकारी जाति प्रथा के खिलाफ दृढ़ता से आवाज उठाई। उन्होंने इसकी वंशानुगतता को बकवास कहा और निचली जातियों में शिक्षा के प्रसार के लिए विशेष प्रयास करने के लिए कहा। विवेकानंद उच्च जाति के युवाओं को संबोधित करते हुए उनके जातीय श्रेष्ठता और छुआछूत संबंधी विचारों की तीव्र भर्त्सना करते हैं:-“और तुम लोग क्या हो?...पूरी जिंदगी केवल बेकार की बातें करने वाले, व्यर्थ बकवास करने वाले...अपनी खोपड़ी में सैकड़ों वर्षों के अंधविश्वास का कुड़वा-करकट परे बैठे, सैकड़ों वर्षों से केवल खान-पान की छुआछूत के विवाद में अपनी सारी शक्ति नष्ट करने वाले, जिनकी सारी इस्त्नायित को युगों के सामाजिक अत्याचार ने कुचल दिया है।” स्वामी विवेकानंद ने ब्राह्मणों के जन्म आधारित श्रेष्ठता के दम की कड़ी आलोचना की और उसे महज 'मिथ्या' कह कर खारिज कर दिया।

4 जुलाई 1897 को अल्मोड़ा से भगिनी निवेदिता को लिखा विवेकानंद का पत्र यह साबित करता है कि वे जो कहते थे वही करते भी थे। उस पत्र में वे लिखते हैं कि बुद्ध के जमाने के बाद पहली बार उनके आश्रम में ब्राह्मण युवा बिना किसी जाति-भेद के रोगियों की

सेवा कर रहे हैं। विवेकानंद ने भारत की भयंकर गरीबी और पतन के लिए अंग्रेजी उपनिवेशवाद से ज्यादा जाति-व्यवस्था को जिम्मेदार ठहराया। 11 सितंबर 1893 को शिकागो (अमेरिका) में हुए धर्म सम्मेलन में स्वामी विवेकानंद ने अपने ऐतिहासिक वक्तव्य के माध्यम से भारत की एक वैश्विक सोच को सामने रखते हुए हिंदू धर्म का उदारवादी चेहरा दुनिया के सामने रखा था। पूरी दुनिया ने उनके भाषण को सराहा था। विवेकानंद का हिंदू धर्म, पाखंड और कर्मकांड विरोधी होने के साथ दलित, वंचित और श्रमिक वर्ग को न्याय दिलाने वाला सर्वसमावेशी था। इसमें भारत की आध्यात्मिकता और भौतिक विकास को मिली जुली ललक थी। इसमें सांप्रदायिक और जातीय नफरत के लिए कोई जगह नहीं थी। यद्यपि वे समकालीन राजनीति से दूर रहते थे, लेकिन उनका धर्म सामाजिक सत्ता से लगातार टकराता था। यही कारण है कि राजनीति के प्रति विरक्तिका भाव रखने वाले विवेकानंद कई राजनीति करने वालों के लिए प्रेरणास्रोत बनते रहे।

धर्म और देशभक्ति की आड़ में समाज और सत्ता पर वर्चस्व कायम रखने का इरादा रखने वाली विवेकानंद ताकतों वेशर्मी के साथ स्वामी विवेकानंद को अपनी विचार-परंपरा का पुरखा बनाया। इन्हें हथियाने की फूहड़ कीशिशं करती रही है और अब भी कर रही है, ताकि विवेकानंद की प्रखर सामाजिक चेतना का विभाजनकारी संकीर्ण राष्ट्रवाद के पक्ष में इस्तेमाल किया जा सके। चूँकि इस खतरा का अंदाजा विवेकानंद को भी था, लिहाजा उन्होंने अपने प्रसिद्ध रामकृष्ण कास्ट, कल्चर एंड सोशलजिज्म' में कहा था-“कुछ लोग देशभक्ति की बातें तो बहुत करते हैं, लेकिन मुख्य बात है-हृदय की भावना। यह देखकर आम्के मन में क्या भाव आता है कि न जाने कितने समय से

देवों और ऋषियों के वंशज पशुओं जैसा जीवन बिता रहे हैं? देश पर छाया अज्ञान का अंधकार क्या आपको सचमुच बेचैन करता है?...यह बेचैनी ही आपकी देशभक्ति का पहला प्रमाण है।”

चूँकि विवेकानंद राजनेता नहीं बल्कि संन्यासी थे-समाज विज्ञानी संन्यासी, लिहाजा वह हिंदू समुदाय की खूबियों और खामियों से भलीभाँति परिचित थे। हिंदू समाज में आज जो कट्टरता व्याप्त है, उसके खतरों को विवेकानंद की ही दुई चेतावनी से भी समझा जा सकता है। उन्होंने अपने समय के हिंदू कट्टरपंथियों और पाखंडी धर्माचार्यों को ललकारते हुए कास्ट, कल्चर एंड सोशलजिज्म' में ही कहा है-

“शुरू में अपने हक मॉगने के लिए जब भी मुँह खोला, उनकी जीभें काट दी गईं। उनको जानवरों की तरह चाबुक से पीटा गया। लेकिन अब आप उन्हें उनके अधिकार लौटा दो, वरना जब वे जांगो और आप (उच्च वर्ग) के द्वारा किए गए शोषण को समझेंगे, तो अपनी फूँक से आप सब को उड़ा देंगे। यही (शुद्ध) वे लोग हैं, जिन्होंने आपको सभ्यता सिखाई है और ये ही आपको नीचे भी गिरा देंगे। सोचिए किस तरह शक्तिशाली रोमन सभ्यता गाँलों के हाथों मिट्टी में मिला दी गई।”

विवेकानंद जीवन में धर्म और अध्यात्म को बड़ा महत्व देते हैं। लेकिन धार्मिक संकीर्णता और रूढ़िवाद के सख्त खिलाफ थे वे मत-मतांतर, विधि या अनुष्ठान, ग्रंथ, मंदिर को गौण मानते थे। धर्म की आड़ में अंधश्रद्धा के खिलाफ थी। तर्क और विवेक को सर्वोच्च स्थान देते थे। अपने गुरु रामकृष्ण परमहंस की तरह विवेकानंद ने धार्मिक संकीर्णता का विरोध करते

सर्वधर्म सम्भाव अर्थात् सांप्रदायिक सद्भाव पर जोर दिया। 10 जून 1898 में नैनताल के अपने एक मुस्लिम मित्र

मोहम्मद सरफराज हुसैन को लिखे पत्र में स्वामी जी ने लिखा कि हमारी अपनी मातृभूमि के लिए दो महान प्रणालियों-हिंदू धर्म और इस्लाम का संगम ही एकमात्र उम्मीद है। विवेकानंद ने कहा है कि भारत में मुस्लिम शासकों के आगमन के बाद देश की आबादी के एक बड़े हिस्से ने इस्लाम कुबूल कर लिया था, लेकिन साथ ही वह कहते हैं कि यह सब तलवार के जोर से नहीं हुआ था। धार्मिक नफरत के सख्त खिलाफ थे स्वामी विवेकानंद। हिंदुत्व विवेकानंद के लिए कुछ संगठन स्वामी विवेकानंद के नाम का इस्तेमाल लंबे समय से करते आ रहे हैं, उनके समय में भी करते थे। लेकिन चूँकि ऐसे लोगों की शूद्र मानसिकता और मुसलमानों के प्रति उनकी द्वेष-भावना से विवेकानंद भलीभाँति परिचित थे, लिहाजा उन्होंने कहा था-“इस आराजकता और कलह के बीच भी मेरे मस्तिष्क में संपूर्ण भारत की जो तस्वीर उभरती है, वह शानदार और अद्वितीय है, उसमें वैदिक दिमाग और इस्लामिक शरीर होगा।” कहा जा सकता है कि स्वामी विवेकानंद अगर आज जिंदा होते तो उनकी नसीहतें सुनकर हिंदू कट्टरता के प्रचारक विवेकानंद को भी सुडो सेकुलर या हिंदू विरोधी करार दे रहे होते। विवेकानंद को हजम करना भी इनके लिए बहुत मुश्किल हो जाता। इसलिए हम कहते हैं, अपने-अपने विवेकानंद। स्वामी विवेकानंद अगर रहे।

(यह लेख विवेकानंद जयंती के अवसर पर दिए व्याख्यान के प्रमुख अंशों पर आधारित है)

-डॉ. रमेश बैरा,
राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर
एवं प्रदेश संयोजक, राजस्थान
विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय
शिक्षक संघ रुड़का डेमोक्रेटिक।

दिव्यांग बच्चों के लिए संचालित पाबू पाठशाला को आर्य समाज स्कूल में मर्ज किया

स्कूल में मर्ज के फैसले ने 61 दिव्यांग छात्रों के भविष्य को अनिश्चितता में डाला

बीकानेर, (निर्स) विशेष रूप से दिव्यांग बच्चों के लिए संचालित पाबू पाठशाला को आर्य समाज स्कूल में मर्ज करने के फैसले ने 61 दिव्यांग छात्रों के भविष्य को अनिश्चितता में डाल दिया है।

इस फैसले से चिंतित अभिभावक अपने बच्चों को लेकर प्राथमिक शिक्षा निदेशालय पहुंचे, जहां उन्होंने स्कूल को यथावत सभी मांग की, लेकिन अधिकारियों के अनुरोधित

■ अभिभावक अपने बच्चों को लेकर प्राथमिक शिक्षा निदेशालय पहुंचे

■ अधिकारियों के अनुरोधित रहने के कारण अभिभावक निराश लौटे

रहने के कारण वे निराश लौटने को मजबूर हो गए। अभिभावकों का कहना है कि दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष सुविधाओं और अनुकूल वातावरण से

रहने के कारण वे निराश लौटने को मजबूर हो गए। अभिभावकों का कहना है कि दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष सुविधाओं और अनुकूल वातावरण से

रहने के कारण वे निराश लौटने को मजबूर हो गए। अभिभावकों का कहना है कि दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष सुविधाओं और अनुकूल वातावरण से

रहने के कारण वे निराश लौटने को मजबूर हो गए। अभिभावकों का कहना है कि दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष सुविधाओं और अनुकूल वातावरण से

रहने के कारण वे निराश लौटने को मजबूर हो गए। अभिभावकों का कहना है कि दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष सुविधाओं और अनुकूल वातावरण से

रहने के कारण वे निराश लौटने को मजबूर हो गए। अभिभावकों का कहना है कि दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष सुविधाओं और अनुकूल वातावरण से

रहने के कारण वे निराश लौटने को मजबूर हो गए। अभिभावकों का कहना है कि दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष सुविधाओं और अनुकूल वातावरण से

रहने के कारण वे निराश लौटने को मजबूर हो गए। अभिभावकों का कहना है कि दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष सुविधाओं और अनुकूल वातावरण से

रहने के कारण वे निराश लौटने को मजबूर हो गए। अभिभावकों का कहना है कि दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष सुविधाओं और अनुकूल वातावरण से

रहने के कारण वे निराश लौटने को मजबूर हो गए। अभिभावकों का कहना है कि दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष सुविधाओं और अनुकूल वातावरण से

रहने के कारण वे निराश लौटने को मजबूर हो गए। अभिभावकों का कहना है कि दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष सुविधाओं और अनुकूल वातावरण से

रहने के कारण वे निराश लौटने को मजबूर हो गए। अभिभावकों का कहना है कि दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष सुविधाओं और अनुकूल वातावरण से

बधेरे ने किसान पर हमला किया

झिलाय, (निर्स) सोमवार की रात गांव खेड़ीमानपुर में एक युवक पर बधेरे ने हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। परिवारजनों ने उसका गांव में ही उपचार करवाया। लोगों ने बधेरा की सूचना वन विभाग के कर्मचारियों को दी। इसके बाद वन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और जंगली जानवर के पग मार्क देखे। ग्रामीणों ने बताया कि कालू शर्मा रात खेत पर रखवाली कर रहा था। घर वापसी के दौरान बधेरा ने उस पर हमला कर दिया। सूचना पर सपरंच सांभरमल मीणा, एसीएफ अनुराग महर्षि, रैंजर धारिलाल व टॉक लनाईरजर कालूराम मौके पर पहुंचे।

देशभर में दौड़ रहे जोधपुर रेलवे वर्कशाप में बने एन.एम.जी.एच.एस. डिब्बे

एनएमजीएचएस डिब्बे दरअसल ट्रेनों के वो कोच होते हैं, जिनका 25 वर्षों तक उपयोग लेने के बाद रेलवे यात्री सेवा की दृष्टि से रिटायर कर चुका होता है

दिया जाता है और ऐसे डिब्बों को एनएमजीएचएस रेल के नाम से अटो कैरियर के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है, तो उसकी सभी खिड़कियां और दरवाजे सील कर दिए जाते हैं। पंकज कुमार सिंह का कहना है इस वेगन को इस तरह से तैयार किया जाता है ताकि इसमें कार, ट्रैक्टर, मिनी ट्रक और दुपहिया वाहनों को आसानी से लोड-अनलोड किया जा सके। इसके अतिरिक्त इस तरह के डिब्बे में रैफ्रिजरेटर की तरह रैसस सिस्टम भी विकसित किया गया है जिससे इसमें सब्जियों का लदान भी किया जाता है।

दिया जाता है और ऐसे डिब्बों को एनएमजीएचएस रेल के नाम से अटो कैरियर के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है, तो उसकी सभी खिड़कियां और दरवाजे सील कर दिए जाते हैं। पंकज कुमार सिंह का कहना है इस वेगन को इस तरह से तैयार किया जाता है ताकि इसमें कार, ट्रैक्टर, मिनी ट्रक और दुपहिया वाहनों को आसानी से लोड-अनलोड किया जा सके। इसके अतिरिक्त इस तरह के डिब्बे में रैफ्रिजरेटर की तरह रैसस सिस्टम भी विकसित किया गया है जिससे इसमें सब्जियों का लदान भी किया जाता है।

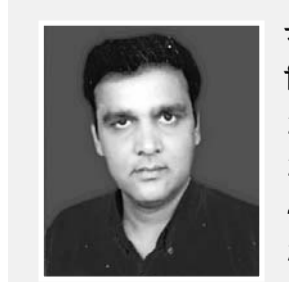
दिया जाता है और ऐसे डिब्बों को एनएमजीएचएस रेल के नाम से अटो कैरियर के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है, तो उसकी सभी खिड़कियां और दरवाजे सील कर दिए जाते हैं। पंकज कुमार सिंह का कहना है इस वेगन को इस तरह से तैयार किया जाता है ताकि इसमें कार, ट्रैक्टर, मिनी ट्रक और दुपहिया वाहनों को आसानी से लोड-अनलोड किया जा सके। इसके अतिरिक्त इस तरह के डिब्बे में रैफ्रिजरेटर की तरह रैसस सिस्टम भी विकसित किया गया है जिससे इसमें सब्जियों का लदान भी किया जाता है।

दिया जाता है और ऐसे डिब्बों को एनएमजीएचएस रेल के नाम से अटो कैरियर के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है, तो उसकी सभी खिड़कियां और दरवाजे सील कर दिए जाते हैं। पंकज कुमार सिंह का कहना है इस वेगन को इस तरह से तैयार किया जाता है ताकि इसमें कार, ट्रैक्टर, मिनी ट्रक और दुपहिया वाहनों को आसानी से लोड-अनलोड किया जा सके। इसके अतिरिक्त इस तरह के डिब्बे में रैफ्रिजरेटर की तरह रैसस सिस्टम भी विकसित किया गया है जिससे इसमें सब्जियों का लदान भी किया जाता है।

दिया जाता है और ऐसे डिब्बों को एनएमजीएचएस रेल के नाम से अटो कैरियर के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है, तो उसकी सभी खिड़कियां और दरवाजे सील कर दिए जाते हैं। पंकज कुमार सिंह का कहना है इस वेगन को इस तरह से तैयार किया जाता है ताकि इसमें कार, ट्रैक्टर, मिनी ट्रक और दुपहिया वाहनों को आसानी से लोड-अनलोड किया जा सके। इसके अतिरिक्त इस तरह के डिब्बे में रैफ्रिजरेटर की तरह रैसस सिस्टम भी विकसित किया गया है जिससे इसमें सब्जियों का लदान भी किया जाता है।

दिया जाता है और ऐसे डिब्बों को एनएमजीएचएस रेल के नाम से अटो कैरियर के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है, तो उसकी सभी खिड़कियां और दरवाजे सील कर दिए जाते हैं। पंकज कुमार सिंह का कहना है इस वेगन को इस तरह से तैयार किया जाता है ताकि इसमें कार, ट्रैक्टर, मिनी ट्रक और दुपहिया वाहनों को आसानी से लोड-अनलोड किया जा सके। इसके अतिरिक्त इस तरह के डिब्बे में रैफ्रिजरेटर की तरह रैसस सिस्टम भी विकसित किया गया है जिससे इसमें सब्जियों का लदान भी किया जाता है।

राशिफल बुधवार 22 जनवरी, 2025



पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत् 2081, स्वाती नक्षत्र रात्रि 2:34 तक, शूल योग रात्रि 4:37 तक, कौलव करण दिन 3:19 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।
ग्रह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-तुला, मंगल-मिथुन, बुध-धनु, गुरु-वृष, शुक-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।
आज महापात योग रात्रि 4:50 तक है।
श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:54 तक, शुभ 11:19 से 12:38 तक, चर 3:17 से 4:37 तक, लाभ 4:37 से सूर्यास्त तक।
राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 7:20, सूर्यास्त 5:56

	मेघ परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मंगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।		सिंह व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।		धनु आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिग्दर्शन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संचालित स्तों से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।
	वृष मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे अटो कैरियर/मनभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। अनहोनी की आशंका से बचा हुआ मन का भय दूर होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।		कन्या आर्थिक कारणों से अटक हुए कार्य बने लगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आज धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।		मकर व्यावसायिक कार्यों के लिए दिग्दर्शन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।
	मिथुन परिजननों के व्यवहार के कारण मन-खिन हो सकता है। आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी।		तुला व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता भी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बने लगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।		कुम्भ नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आयोजना प्राप्त होंगे। अटके कार्य बने लगे। व्यावसायिक विवादों का निपटारा हो सकता है। परिवार में धार्मिक-साप्ताहिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।
	कर्क घर-परिवार में धार्मिक-साप्ताहिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।		वृश्चिक घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। वाणी पर संयम रखना ठीक रहेगा।		मीन चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्ययधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलंब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

‘किसानों को 2027 तक दिन में बिजली देने का मुख्यमंत्री का सपना पूरा होगा’

ऊर्जा पर क्षेत्रीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, राइजिंग राजस्थान में 28 लाख करोड़ के प्रस्ताव ऊर्जा क्षेत्र के हैं

जयपुर, 21 जनवरी। केन्द्रीय रिन्यूएबल एनर्जी (नवीकरणीय ऊर्जा) मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2030 तक देश में अक्षय ऊर्जा का उत्पादन 500 गीगावाट तक बढ़ाने, वर्ष 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा से ऊर्जा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बताया कि राज्य में 5 लाख घरों में रूफटॉप सौर प्रणालियों की प्रक्रिया चल रही है। सभी राजकीय भवनों को सोलर एनर्जी से लैस करने का काम भी प्राप्ति पर है।

इस समीक्षा बैठक में केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी, श्रीपद नाइक तथा हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश के मंत्रियों व अधिकारियों ने भाग लिया।

आवश्यकता का 50 प्रतिशत पूरा करने तथा वर्ष 2070 तक देश को नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन तक ले जाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है। जोशी मंगलवार को जयपुर के एक होटल में आयोजित नवीकरणीय ऊर्जा पर क्षेत्रीय समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार



केन्द्रीय नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नवीकरणीय ऊर्जा पर आयोजित क्षेत्रीय समीक्षा बैठक को सम्बोधित किया। इस अवसर पर केन्द्रीय नवीकरणीय ऊर्जा राज्यमंत्री श्रीपद नाइक, राजस्थान के ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर भी मौजूद थे।

ने राजस्थान स्वच्छ ऊर्जा नीति 2024, जारी की है जिसमें वर्ष 2030 तक 125 गीगावाट की अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में 35 लाख करोड़ रूपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इसमें भी 28 लाख करोड़ से अधिक तो अकेले ऊर्जा क्षेत्र से संबंधित हैं। इन एमओयू से स्थापित होने वाली परियोजनाओं से प्रदेश में सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

उन्होंने कहा कि कुसुम योजना में राजस्थान देश का अग्रणी राज्य है। इस योजना में राज्य में 5 हजार मेगावाट से अधिक को सौर परियोजनाएं विकसित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत राज्य में 5 लाख घरों में रूफटॉप सौर प्रणालियां लागू करने की प्रक्रिया चल रही है और अब तक लगभग 25 हजार घरों पर सौर प्रणालियां लागू की गई हैं। सभी राजकीय भवनों को सोलर एनर्जी से लैस करने का कार्य शुरू कर अब तक 489 मेगावाट के एलओए हाइब्रिड एन्युटीड मॉडल पर जारी किए जा चुके हैं।

केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्यमंत्री श्रीपद नाइक ने कहा कि कुसुम योजना के घटक ए एवं सी के तहत प्रदेश में स्थापित विकेंद्रित सोलर प्लांटों से जुड़े ग्रिड सब स्टेशनों में इन प्लांटों की क्षमता के अनुरूप कृषि कनेक्शन जारी करने का हमने निर्णय किया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027

तक किसानों को कृषि कार्य के लिए दिन में बिजली देने के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संकल्प को पूरा करने की दिशा में यह बड़ा कदम है।

समीक्षा बैठक के उद्घाटन सत्र में हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज, हिमाचल प्रदेश के टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, आवास प्रबंध मंत्री राजेश धर्माणी, जम्मू-कश्मीर के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग मंत्री सतीश कुमार शर्मा ने भी विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर केन्द्रीय सचिव एमएनआरई निधि खरे, केन्द्रीय अतिरिक्त सचिव एमएनआरई सुदीप जैन सहित राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, चंडीगढ़, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

‘ताहिर हुसैन को चुनाव प्रचार के लिये जमानत क्यों नहीं दी जाये’

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली विधानसभा चुनाव लड़ रहे पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन के बारे में दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा

नयी दिल्ली, 21 जनवरी। उच्चतम न्यायालय ने एआईएमआईएम के टिकट पर दिल्ली विधानसभा चुनाव मैदान में उतरे पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को राष्ट्रीय राजधानी में 2020 में हुए दंगों से जुड़े एक मामले में अंतरिम या नियमित जमानत देने के सवाल पर दिल्ली पुलिस से अपना पक्ष रखने का मंगलवार को निर्देश दिया। न्यायमूर्ति पंकज मिश्रल और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह को पीठ ने इस तथ्य पर गौर किया कि याचिकाकर्ता को 10 में से नौ मामलों में पहले ही जमानत मिल चुकी है।

पीठ ने यह भी कहा कि (हुसैन को) उन्हें धनशोधन के एक मामले में भी गिरफ्तार किया गया था। याचिकाकर्ता हुसैन को और से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्दार्थ अग्रवाल ने कहा कि वे चार साल 10 महीने से अधिक समय से जेल में बंद हैं। वे फरवरी 2020 तक बेदाग पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति थे। उन्होंने यह भी कहा कि कथित हमलावरों सहित, अन्य सभी

याचिकाकर्ता को 10 में से 9 मामलों में पहले जमानत मिल चुकी है। सन् 2020 के दंगों के मामले में वह चार साल 10 माह से जेल में बंद है।

आरोपियों को मामले में जमानत मिल चुकी है। दंगों के दौरान इंटीलजेंस ब्यूरो के कर्मचारी अंकित शर्मा की हत्या से जुड़े एक मामले में हुसैन को कोई राहत नहीं दी गई है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 14 जनवरी को मामले में अंतरिम जमानत के लिए उनकी याचिका खारिज कर दी थी। उन्होंने चुनाव प्रचार के लिए जमानत देने की गुहार लगाई थी। शीर्ष अदालत ने दिल्ली पुलिस के अधिवक्ता रजत नायर से पूछा कि अदालत को याचिकाकर्ता को जमानत या अंतरिम जमानत क्यों नहीं देनी चाहिए।

अमित शाह ने गरियाबंद में 16 नक्सली मारने पर बधाई दी

गरियाबंद, 21 जनवरी। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के ओडिशा सीमा में अब तक 16 नक्सली मारे जा चुके हैं। इसकी पुष्टि रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा के ट्वीट से हुई है। सुरक्षा बलों का बड़े पैमाने पर

ओडिशा पुलिस मुख्यालय के अनुसार भारी मात्रा में हथियार व गोलाबारूद बरामद हुआ है।

ऑपरेशन जारी है। माना जा रहा है कि इलाके में और नक्सली भी छिपे हो सकते हैं। गरियाबंद में सुरक्षाबल के जवानों को नक्सलियों के खिलाफ मिला कामयाबी पर देश के गृहमंत्री अमित शाह ने जवानों की पीठ धरधाहाई है। उन्होंने एक्स पर लिखा, देश में नक्सलवाद अपनी आखिरी सांसे गिन रहा है। हमारा अटूट संकल्प है - नक्सल मुक्त भारत, और यह सफलता उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले की ओडिशा सीमा में गरियाबंद डीआरजी, ओडिशा की एसओजी, कोंबरा की 207 बटालियन और सीआरपीएफ के जवानों ने अब तक 16 नक्सली ढर कर दिए हैं।

सेना 47 ब्रिज लेइंग टैंक खरीदेगी

नयी दिल्ली, 21 जनवरी। रक्षा मंत्रालय ने सेना के लिए 47 टैंक-72 (ब्रिज लेइंग टैंक बीएलटी) की खरीद के लिए आर्म्ड व्हीकल निगम लिमिटेड को इकाई हौवो व्हीकल फैक्ट्री के साथ 1560 करोड़ रूपये के एक समझौते

रक्षा मंत्रालय ने इस खरीद के लिये आर्म्ड व्हीकल निगम लिमिटेड से 1560 करोड़ के समझौते पर हस्ताक्षर किये।

पर हस्ताक्षर किए हैं। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को यहां बताया कि रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह को मौजूदगी में, रक्षा मंत्रालय और हौवो व्हीकल फैक्ट्री और आर्म्ड व्हीकल निगम लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए।

ब्रिज लेइंग टैंक एक महत्वपूर्ण उपकरण है, जिसका उपयोग सेना द्वारा आक्रामक और रक्षात्मक अभियानों के दौरान पुलों का निर्माण करने के लिए किया जाता है। यह टैंक और बख्तरबंद वाहनों के बेड़े को अभिन पुल बनाने की क्षमता प्रदान करता है। इससे युद्ध के मैदान में गतिशीलता और आक्रामक क्षमता बढ़ती है। इस समझौते के अन्तर्गत, खरीद (भारतीय-स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित) होने से रक्षा क्षेत्र में मेक-इन-इंडिया पहल को बढ़ावा मिलेगा। यह परियोजना समग्र अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और देश में रोजगार के अवसरों को बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

पूरे देश में 26...

डल्लेवाल की भूख हड़ताल का आज 57वां दिन है। खनौरी बॉर्डर पर डल्लेवाल की हड़ताल सिंह सुरजेवाला ने बताया कि शनिवार रात से मेडिकल सहायता लेने के बाद उनकी तबीयत में कुछ सुधार है। उनके ब्लड सैलप की रिपोर्ट जल्द ही आ जाएगी।

कांग्रेस सांसद प्रतापगढ़ी पर रोक दंडात्मक कार्यवाही पर रोक

सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात हाईकोर्ट द्वारा प्रतापगढ़ी की याचिका रद्द करने के संदर्भ में यह आदेश दिया।

प्रतापगढ़ी के वकील कपिल सिब्बल का कहना था कि गुजरात हाईकोर्ट ने याचिका को बिना नोटिस जारी किये खारिज कर दिया।

भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 197 (राष्ट्रीय एकता को नुकसान पहुंचाने वाले आरोप), 299 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से किए गए कृत्य) और 302 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से शब्द बोलना) के तहत मुकदमा दर्ज किया था। गुजरात उच्च न्यायालय ने 17 जनवरी को प्रार्थमिकी रद्द करने से इनकार करते हुए कहा कि रॉच अभी शुरुआती चरण में है।

अदालत ने कहा, भारत के किसी भी नागरिक से यह अपेक्षा की जाती है कि वह ऐसा व्यवहार करे जिससे सांप्रदायिक सद्भाव या सामाजिक सद्भाव बिगड़े नहीं।

संकलन पत्र-2 ...

तक मुफ्त शिक्षा देंगे। इसके अलावा प्रतियोगी परीक्षाओं को तैयारी के लिए 15 हजार रूपए देंगे। पार्टी ने दिल्ली में ऑटो-टैक्सी वेलफेयर बोर्ड बनाने तथा ऑटो-टैक्सी वालों को 10 लाख का जीवन बीमा और पांच लाख रूपए का दुर्घटना बीमा देने का वादा किया है।

टोकुर ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भाजपा सरकार ने दलालों को खत्म कर दिया है और डीबीटी के माध्यम से जन-कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया। प्रधाचार के प्रति मोदी सरकार की नीति जीरो टॉलरेंस की है। हमारी सरकार बनने पर हम स्वास्थ्य, यातायात, बिजली, पानी और परिवहन आदि से जुड़ी समस्याओं को हल करेंगे। दिल्ली वालों को बेहतर आज और बेहतर कल देने का प्रयास करेंगे।

भाजपा ने कामगारों के लिए डोमेस्टिक वेलफेयर बोर्ड बनाने की बात कही है। इसके 10 लाख रूपये का जीवन बीमा, 05 लाख रूपये का दुर्घटना बीमा, उनके बच्चों के लिए छात्रवृत्ति और 06 महीने की पेंशन मेटरिटी लीव देने का किया गया है।

‘यूजीसी दिशा-निर्देश 2025 संविधान की भावना के खिलाफ है’

केरल विधानसभा ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास किया कि इसे वापस लें और बदलाव करें

तिरुवनंतपुरम, 21 जनवरी। केरल विधानसभा ने मंगलवार को एक प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया। इस प्रस्ताव में केरल सरकार ने केन्द्र सरकार से यूजीसी के दिशा-निर्देश 2025 के मसौदे को वापस लेने और उसमें बदलाव करने की मांग की है। मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन ने यह प्रस्ताव पेश किया। प्रस्ताव में कहा गया कि विधानसभा का साफ मानना है कि यूजीसी का मसौदा संविधान की भावना को प्रतिबिंबित नहीं करता है।

गौरतलब है कि जनवरी के पहले हफ्ते में केन्द्र सरकार ने यूजीसी दिशा-निर्देश 2025 का मसौदा जारी किया है। केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय का कहना है कि इस मसौदे का उद्देश्य विश्वविद्यालयों में शिक्षकों और शैक्षणिक कर्मचारियों को नियुक्ति और पदोन्नति को अधिक लचीला बनाना है। हालांकि केरल सरकार द्वारा इसका विरोध किया जा रहा है। पिछले हफ्ते ही केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन ने इस मसौदे की आलोचना करते हुए कहा था कि वे इसके विरोध के लिए देशभर में गैर-भाजपा मुख्यमंत्रियों को एकजुट करेंगे।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय का कहना है कि दिशा-निर्देश में विश्वविद्यालयों में शिक्षकों व शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्ति और पदोन्नति को अधिक लचीला बनाया गया है।

मुख्यमंत्री पी विजयन ने कहा कि विभिन्न राज्यों में विश्वविद्यालय, राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित कानूनों के अनुसार काम करते हैं और राज्यों के पास ही विश्वविद्यालयों की स्थापना और पर्यवेक्षण करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के पास केवल उच्च शिक्षा और शोध संस्थानों के लिए समन्वय और मानक तय करने का अधिकार है। विजयन ने कहा कि केन्द्र सरकार ने इन तथ्यों की अनदेखी करके और सभी हितधारकों से चर्चा किए बिना, दिशा-निर्देश मसौदा जारी किया है। नए मसौदे में कुलपतियों की नियुक्ति समेत कई मुद्दों पर राज्य सरकारों की राय की बाधयता को खत्म कर दिया गया है। सीएम ने कहा कि यह संघीय प्रणाली और लोकतंत्र के खिलाफ है। केरल के मुख्यमंत्री ने दावा किया है कि नए दिशा-निर्देशों के तहत,

अकादमिक विशेषज्ञों पर विचार किए बिना निजी क्षेत्र से भी लोगों को कुलपति नियुक्त किया जा सकता है। सीएम ने आरोप लगाया कि यह उच्च शिक्षा क्षेत्र का व्यवसायीकरण करने की चाल है। विजयन ने आरोप लगाया कि 2025 के यूजीसी मानदंडों के मसौदे को उच्च शिक्षा क्षेत्र में लोकतांत्रिक मूल्यों को नष्ट करने और इसे धार्मिक और सांप्रदायिक ताकतों के नियंत्रण में देने की कोशिश की जा रही है। विजयन ने प्रस्ताव में कहा, यह सदन सर्वसम्मति से केन्द्र सरकार के 2025 के यूजीसी मानदंडों के मसौदे को तुरंत वापस लेने, राज्य सरकारों और अकादमिक विशेषज्ञों की राय और चिंताओं पर विचार करने और सभी हितधारकों के साथ विस्तृत चर्चा करने और उनकी राय को गंभीरता से लेने के बाद ही नए मानदंड जारी करने का अनुरोध करता है।

एआईसीसी में काम-काज ...

लाभप्रद राज्य चाहते हैं। बिना किसी ठोस कार्य योजना तथा इच्छाशक्ति वाले नेता के पार्टी का कायाकल्प एवं पुनरुद्धार कैसे होगा। पहले राहुल गांधी कहा करते थे कि उनकी आवाज नहीं सुनी जाती है क्योंकि पार्टी के कर्ता-धर्ता अहमद पटेल हैं, वे ही पार्टी को चलाते हैं, लेकिन अब तो पार्टी को राहुल गांधी ही चला रहे हैं, तो वे कुछ हट कर क्यों नहीं कर रहे, सार्थक एवं सख्त निर्णय क्यों नहीं ले रहे। प्रियंका गांधी विभाग की महासचिव हैं लेकिन उन्होंने कांग्रेस के हर मामले में अपना पैर फंसा रखा है। सच तो यह है कि वे गांधी परिवार की सदस्य होने के कारण ही ताकतवर हुई हैं। पार्टी में क्या चल रहा है-इस बात को लेकर हर आदमी का ऐसा सोच इसलिए है, क्योंकि इन बिन्दुओं को लेकर न तो पार्टी के पास कोई योजना है और न कोई गंभीर और ठोस विचार और चिन्तन है कि नरेंद्र मोदी को टक्कर कैसे दी जाये तथा, एक-एक करके, राज्यों में कांग्रेस का कायाकल्प कैसे किया जाये।

प्रथम पृष्ठ का शेष) हुई थी तथा उसे केवल 7 सीटें ही मिली थीं। उसके बाद, पार्टी असम में हारी तथा उसके बाद उसे मध्य प्रदेश में जबरदस्त हार का सामना करना पड़ा।

भँवर जितेन्द्र सिंह, जो गांधी परिवार के सदस्य के रूप में देखे जाते हैं, मध्य प्रदेश की राजनीति से पूरी तरह अपरिचित हैं। रणधीर सिंह सुरजेवाला, जो कर्नाटक के प्रभारी हैं, पीसीसी अध्यक्ष के रूप में अपने गुह्य राज्य हरियाणा जाना चाहते हैं, लेकिन इस मामले में अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है, क्योंकि सीनियर हूडा अपना सीएमपी पद छोड़ना नहीं चाहते।

सैफ 5 दिन बाद...

सैफ 5 दिन बाद... (प्रथम पृष्ठ का शेष) काय कल्प पड़ा। भँवर जितेन्द्र सिंह, जो गांधी परिवार के सदस्य के रूप में देखे जाते हैं, मध्य प्रदेश की राजनीति से पूरी तरह अपरिचित हैं। रणधीर सिंह सुरजेवाला, जो कर्नाटक के प्रभारी हैं, पीसीसी अध्यक्ष के रूप में अपने गुह्य राज्य हरियाणा जाना चाहते हैं, लेकिन इस मामले में अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है, क्योंकि सीनियर हूडा अपना सीएमपी पद छोड़ना नहीं चाहते।

गौतम अडानी...

जातव्य है कि अडानी प्रसूह इस साल इस्कॉन और गीता संग्रह से साथ मिलकर महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा में लगा हुआ है। इस्कॉन के साथ मिलकर अडानी प्रसूह प्रतिदिन एक लाख श्रद्धालुओं को महाप्रसाद का वितरण कर रहा है।

‘ब्रिक्स देश ...

ऑक्टोबर रिसर्च फाउंडेशन के अध्यक्ष और विदेश नीति के उपाध्यक्ष हर्षी जी. पंत ने कहा कि रूस द्वारा ब्रिक्स मुद्रा के लिए जोर देना, पश्चिमी प्रभाव को कम करने की उसकी व्यापक भू-राजनीतिक रणनीति के अनुरूप है।

ब्रिक्स देशों द्वारा स्थानीय मुद्राओं में व्यापार करने के बारे में उठाए गए कदमों की ट्रंप द्वारा की गई आलोचना यू.एस. की बढ़ती चिंता को दर्शाती है, क्योंकि केन्द्रीय बैंकों में अमेरिकी डॉलर के भंडार का हिस्सा बीते दो दशकों में धीरे-धीरे घटा है। यह रूझान, जो शुरु में यूरो के आने से प्रेरित था, अब तेज हो गया है, क्योंकि विकासशील देश, जिनमें भारत भी शामिल है, अधिक से अधिक स्थानीय मुद्राओं में व्यापार कर रहे हैं। आई.एम.एफ. के आंकड़े बताते हैं कि 1999 में अमेरिकी डॉलर का वैश्विक भंडारों में हिस्सा 71 प्रतिशत था, जो 2024 के मध्य तक घटकर 58 प्रतिशत रह गया है, जबकि यूरो का हिस्सा बढ़कर 20 प्रतिशत हो गया है।

कोलकाता ...

कोलकाता... (प्रथम पृष्ठ का शेष) लगाए गए हैं। हत्या की सूचना मिलने पर राज्य पुलिस व प्रशासन के इसे आत्महत्या साबित करने की कोशिश की। मृतक के माता-पिता को मैडिकल कॉलेज ने फोन करके जानकारा दी। फैसेले के साक्ष्य की संभावना बताई गई है तथा पुलिस की कड़े शब्दों में निंदा की गई है। फैसेले में कहा गया है संबंधित पुलिस फैसेले के एस.आई. ने तुरंत रिपोर्ट दर्ज नहीं की, यहां तक कि रिपोर्ट के लिए खाली जगह छोड़ दी थी।

हत्या की प्रारंभिक रिपोर्ट सुबह ही एस.आई. को दे दी गई थी। पर रात 11 बजे तक केस डायरी दर्ज नहीं की गई थी। इसके अलावा पुलिस ने आनन-फानन में ऑटो टैक्सी करवा ली तथा ऐसे मामलों के लिए बने आवश्यक नियमों का पालन नहीं किया और राज्य प्रशासन माता-पिता को इच्छा का विरुद्ध शव को अंतिम संस्कार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के केस में मृतका के माता पिता भी शामिल हैं-उनके पास 42 सवालों की लिस्ट है जिनके जवाब नहीं मिले हैं।

अमेरिका को औद्योगिक उत्पादन का केन्द्र बनाना...

केवल लम्बी-चौड़ी बातें करने से काम नहीं चलेगा। मैनुफैक्चरिंग को आकर्षित करने और बनाये रखने के लिये, प्रशासन को इन्फ्रास्ट्रक्चर पर बहुत अधिक निवेश करना पड़ेगा, जिसमें परिवहन, ऊर्जा, डिजिटल नेटवर्क अदि शामिल हैं। तब जाकर अमेरिका में व्यवसाय करने की लागत कम होगी।

नौकरियों वापस लाने के प्रयासों के बावजूद, अमेरिका महत्वपूर्ण निर्माण क्षेत्रों में कुशल श्रमिकों की कमी से जूझ रहा है। इस खाई को पाने देने वाला, ट्रंप प्रशासन को विशाल शिक्षा तथा श्रमिक विकास योजनाओं की जरूरत होगी। राष्ट्रपति की एकपक्षीय सोच का इतिहास, तथा नाटो, डब्ल्यूटोओ और यूएन जैसी संस्थाओं के प्रति संदेह का नजरिया फिर उभर सकता है। अगर वे अपने मित्र देशों से ज्यदा वित्तीय योगदान मांगेंगे या अमेरिकन हित की खातिर नये गठबंधन करेंगे, तो उनके मित्र देश भी परायापन महसूस करेंगे। चीन के प्रति उभरती नयी ताकत, जिसमें टैक्स तथा महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों पर प्रतिबंध शामिल हैं, अमेरिका और चीन के आर्थिक अलगाव को गहरा कर सकता है। इससे दोनों के बीच धूम्र-राजनीतिक तनाव बढ़ सकते हैं तथा अन्य राष्ट्र किसी एक पक्ष के चयन के लिये बाध्य किये जा सकते हैं।

हरित ऊर्जा (ग्रीन एनर्जी) की पहलों को उलटने तथा जलवायु सम्बंधी समझौतों, जैसे “पेरिस अर्कोर्ड,” से पीछे हटने की टुट्टी की संभावना के परिणाम स्वरूप, वैश्विक जलवायु सम्बंधी कार्यों में निश्चित रूप से बाधा उत्पन्न होगी तथा अन्य देशों भी पर्यावरण सम्बंधी प्रतिक्रियाओं को कम महत्व देने का दुस्साहस कर सकेंगे।

कड़े इमिग्रेशन नियंत्रण और वीजा प्रतिबंधों से वैश्विक स्तर पर टैकनॉलजी और हौल्डियेयर क्षेत्रों के लेबर मार्केट में बाधाएं पैदा होंगी, विशेषकर भारत और मैक्सिको जैसे देशों के लिए।

विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिकी शुल्क से प्रभावित देशों को एक-दूसरे के साथ आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की संभावना के बारे में सोच सकते हैं, संभवतः यूएस को अलग करते हुए व्यापार समझौतों में तेजी आ सकती है, जैसे कि रोजनल कॉम्प्रीहेन्सिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप। ई.यू., अरिस्तान और लैटिन अमेरिकी देश यूएस संरक्षणवाद से बचने के लिए अधिक क्षेत्रीय आन्वयनभरता को बढ़ावा देने की कोशिश कर सकते हैं। वाइट हाउस में ट्रंप के आने के बाद, यूएस-चीन प्रतिस्पर्धा में वृद्धि होने की संभावना है। ट्रंप का चीन पर कठोर रुख तनाव बढ़ा सकता है, जो ग्लोबल ग्रोथ और व्यापार प्रवाह को प्रभावित करेगा। उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव हो सकता है कि वे यूएस या चीन में से किसी एक के साथ गठबंधन करें, और इससे उनकी विदेश नीति आर्थिक रणनीतियों में जटिलता पैदा हो सकती है।

एक नया जिओपोलिटिकल समीकरण भी संभव है। यूरोप और एशिया के पारंपरिक अमेरिकी सहयोगी ट्रंप की अनिश्चितता से बचने के लिए क्षेत्रीय पार्टनरशिप को गहरा सकते हैं। और चीन, कवच पूर्व, अफ्रीका और मध्य एशिया में अपने प्रभाव का विस्तार कर सकते हैं।

जहाँ तक ऊर्जा बाजारों का प्रश्न है जलवायु समझौतों से यूएस के बाहर जाने की संभावना और जीवाश्म ईंधन पर नया फोकस वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण को कमजोर कर सकता है। तेल निर्यातक देशों को, नवीकरणीय ऊर्जा में अमेरिका की घटती भूमिका का फायदा हो सकता है, लेकिन भू-राजनीतिक तनावों के कारण मूल्य अस्थिरता का सामना भी करना पड़ सकता है।

ट्रंप की नीतियां ग्लोबल टैक इकोसिस्टम प्रणालियों के खंडित होने का कारण बन सकती हैं, क्योंकि कई देशों ने टैकनॉलजी पर अमेरिकी प्रतिबंधों के जवाब में समानांतर प्रणालियों विकसित की हैं और अंत में अमेरिका-चीन प्रौद्योगिकी प्रतिस्पर्धा के तेज होने के कारण विकासशील देशों को सस्ती टैकनॉलजी तक पहुंच बनाने में कठिनाई हो सकती है।

ट्रंप की नीतियों में वैश्विक व्यवस्था को नया आकार देने की क्षमता है। जहाँ, कुछ देशों को यूएस द्वारा छोड़े गए आर्थिक और रणनीतिक खाली स्थान से लाभ हो सकता है। अन्य देशों को आर्थिक व्यवधानों और बढ़े हुए भू-राजनीतिक तनावों का सामना करना पड़ सकता है।

हालांकि 1997 में एक हांगकांग कंसोर्टियम ने एक बंदरगाह संचालन का ठेका जीता था, यूएस और ताइवान कंपनियां नहर के अन्य बंदरगाहों का संचालन करती हैं।

#TRAVEL

The science of getting a good night's sleep in hotels

Sometimes, getting sleep in a hotel is an actual science. Try these doctor-approved tactics to make travel more restful.



Whether you're traveling for leisure or for work, it can be hard to believe that hotels are in the business of sleep. Between uncomfortable beds, noisy air conditioners, slamming doors, and loud upstairs guests, rest can be a hard thing to achieve while away from home.

Dr. Rebecca Robbins, assistant professor of Medicine at Harvard Medical School and an associate scientist at Boston's Brigham and Women's Hospital, knows the importance of sleep. Her research aims to encourage behavioural changes to improve sleep and circadian health. So, it was only natural that she became interested in the hotel experience.

With sleep tourism on the rise, and proof that hotels are beginning to take sleep more seriously, Robbins is now helping hotel industry to provide sleep strategies, including bedroom designs and hosting sleep retreats.

Here are some of her evidence-based tips for getting some rest while travelling.

1. Find the familiar in the unfamiliar

"The truth is that when we are in an unfamiliar environment, we fundamentally have a harder time unwinding," says Robbins. When we're at home, our bodies relax more easily. Whether it's new sounds or smells, our brains are on high-alert and scanning the hotel room as unfamiliar terrain. Smells with a positive association are scientifically proven to trigger a sense of well-being. Soothing sounds are similarly powerful in easing our minds and promoting relaxation. Whether it's smells or sounds, find ways to bring the sensory familiarity of home to your hotel room.

2. Tackle your worries

We don't always travel for leisure. The trip may involve difficult family matters or work stress, but typically the things that are keeping us from falling asleep are not ones that you can act on at that moment. We've all heard about the benefits of a gratitude journal, but don't underestimate the power of the worry journal. "The biggest impediments to our ability to fall asleep is a busy mind," says Robbins. Robbins suggests writing all of these worries down on a piece of paper as a way to relieve your brain from the burden of them, and focus on the task at hand, sleeping.

3. Stick to your routine

According to Robbins, a good sleep is all about routine. Meditating, taking a long shower, and listening to your favourite night cream, turning off your phone, or popping in your favourite pair of earplugs, your pre-bed rituals from home are the key. Repeating these activities while traveling will soothe your body and spirit. "Being religious about these things is actually really important because your brain starts to understand that what comes next is sleep," says Robbins. Pack your habits with you, even if you think they aren't the best ones to have.

4. Get out of bed

It's 3 A.M. local time, but your internal clock is still set five hours earlier. As hard as you try, you just can't fall asleep. Soon, you begin to associate your bed with stress and insomnia, and then the temperature of your mattress increases. If you're struggling, especially in a new time zone, get yourself out of bed. Tossing and turning won't

help you. Instead, leaving the scene of the crime will break the cycle. Do something relaxing like a breathing exercise with the lights low, or even folding socks, whatever you find to be sleep-inducing. "Then, come back to bed when you're tired. That will help you strengthen associations between your bed and a good night's rest," says Robbins.

5. Do your research

Most importantly, find yourself a hotel that takes its hospitality seriously. While there are many things you can do to ensure a good night's sleep while travelling, there are an increasing number of hotels that are eager to help you on your journey.



Wrap it in Leaves



Priyadarshini Chatterjee
Food and Culture
Writer, based in Kolkata

One of the earliest instances of culinary improvisation by humans has to be wrapping food in leaves and steaming or roasting it. Thought up by some hunter-gatherer ancestor, it is a stroke of ingenuity, simple but brilliant. The leaves make for an impervious casing that protect the food from being exposed to direct heat and prevent dirt or fluids from seeping in. The leaves also trap some steam and seal in the flavours, allowing the food to cook unharmed in mellow heat, steeping in its own juices. The results are fantastic.

For the primitive foraging societies, the choice of leaves must have been contingent on availability. But over time, through trial and error, cooks learnt to identify leaves that were not merely a protective casing, but also added flavour and sometimes medicinal properties to the food.

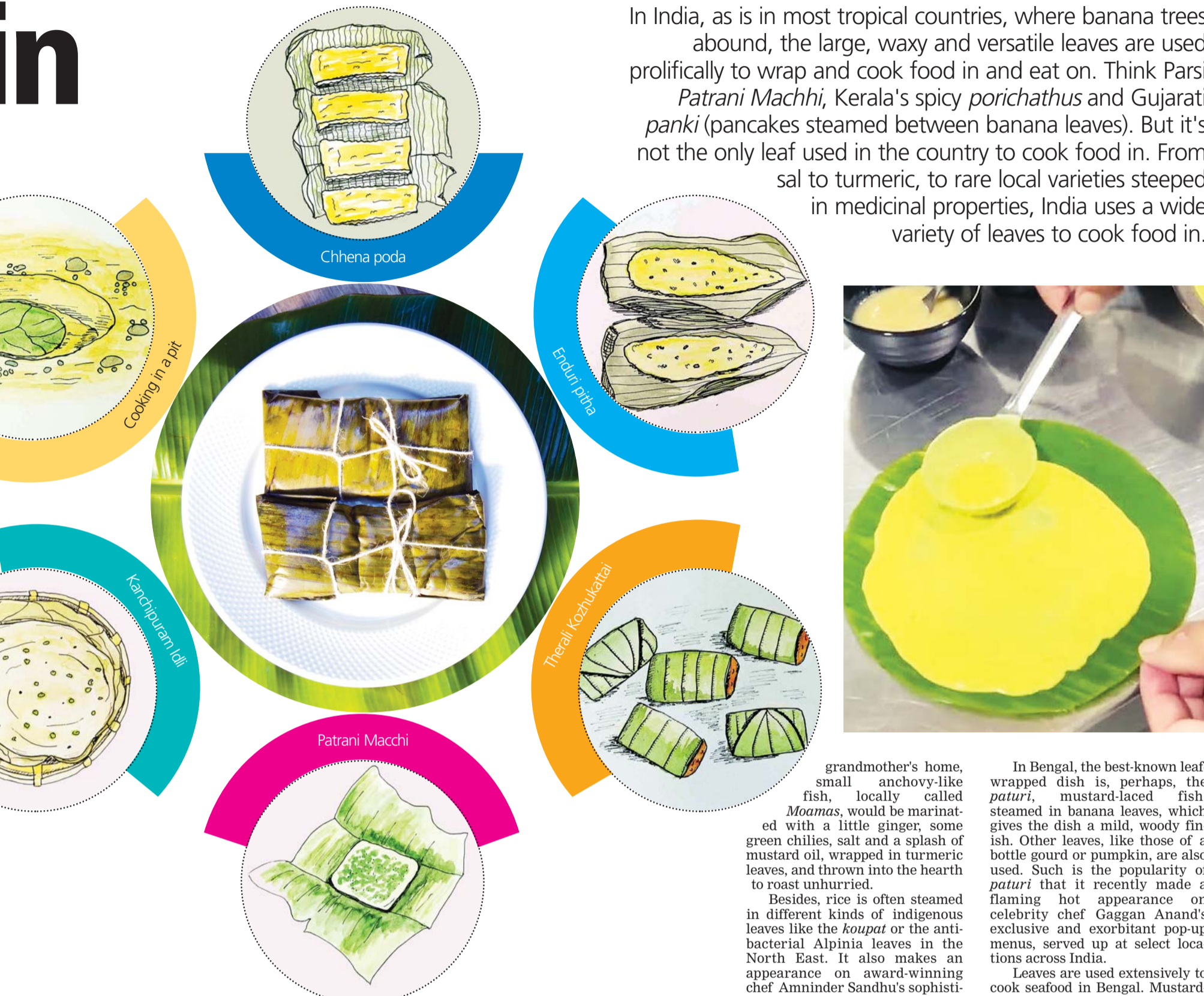
In India, as is in most tropical countries, where banana trees abound, the large, waxy and versatile leaves are used prolifically to wrap and cook food in and eat on. Think Parsi *Patrani Machhi*, Kerala's spicy *porichathus* and Gujarati *panki* (pancakes steamed between banana leaves). But it's not the only leaf used in the country to cook food in. From sal to turmeric, to rare local varieties steeped in medicinal properties, India uses a wide variety of leaves to cook food in.

Medieval Indian texts refer to a few rather sophisticated recipes for food that's cooked after being encased in leaves. The *Nimatnama*, a fascinating, albeit quirky, book of recipes, put together by Ghiyath Shah, Sultan of Malwa, and his son, Nasir Shah, in the 15th century, archives recipes for *kuftra*, or meatballs, folded in lime leaves and added to a broth. Other variations of the

dish call for sour orange leaves or even betel leaves. In another recipe, minced meat is spiced with cumin, fenugreek, cardamoms, cloves, camphor and musk, stuffed in screw pine leaves or in a basket made with sour orange leaves, cooked, and finally eaten, with vinegar or lime juice. The *Supashastra*, which documents culinary traditions in medieval Karnataka, mentions a recipe for bamboo shoots ground into a paste, with ginger, onion and grated coconut, stuffed in betel leaves and steamed. There is also Rajasthan's legendary *khad* (pit) cooking, which was, at one time, extremely popular with the region's royal hunting parties. The day's hunt would be laced with spices, swaddled in leaves and cooked in a sealed pit, heated with hot embers. The royal family of Mewar boasts an interesting recipe for *Khad Kokara*, in which the chicken is cloaked specifically in *Khakhra* (flame of the forest) leaves and roasted in a pit.

Another iconic recipe, one that, some claim, goes back centuries, is a unique *idli*, that's a

part of the *naivedyam* to Hindu deity *Varadharaja Perumal* at the *Varadharaja Perumal Temple* in Kanchipuram. The *idli* batter, laced with dried ginger, cumin, black pepper, asafoetida and curry leaves, is allowed to ferment over several hours. It is then filled into foot-long, cylindrical cane baskets, called *krattai*, that are lined with stitched-together dried *manthari* leaves, and steamed in hefty brass steamers. The result is soft and fluffy, delicately-spiced and fragrant *idlis*, which get their unique accent from *manthari* leaves. "The *manthari* leaves impart a mild, woody fragrance to the *idli*, which mingles with the spices to yield a unique flavour," said food chronicler and TV presenter, Rakesh Raghunathan, who docu-



#FOOD

ments traditional food on his blog, *Pulyogare Travels*.

In some parts of Karnataka, *idli* batter is cooked in moulds, made of fragrant screw pine leaves, locally known as *Kadige*. The dish is called *Mood*. The screw pine leaves exude a subtle, grassy aroma with floral notes that seeps into the moist, crumbly *idlis*, which are best savoured with

"My mother used to steam the cakes wrapped in tender betel leaves, and usually, I would be sent to pluck the leaves from our neighbour's tree," said Sequeira. In Kerala, a similar jackfruit dumpling, flavoured with a hint of cumin, comes steamed in fresh *Edana* or *malabathrum* leaves.

That's not all. Across the South, a mind-boggling variety of sweet and savoury dumplings are steamed in moulds made with leaves like sugar palm leaves and leaves of the Indian tulip tree. "During *Attukal Pongala* celebrations at the Attukal Bhagavathi Amman temple in Kerala, where thousands of women gather to worship the goddess, an offering of *Therali kozhukattai* is a must," said Raghunathan. A doughy batter, made with rice flour, jaggery, banana and a hint of cardamom, is rolled up in *therali* leaves and steamed. "Therali leaves are the fresh green leaves of the cinnamon tree," said Raghunathan. "They impart a refreshing citrusy flavour to the sweet dumplings." An equally intriguing recipe from Gujarat is the *damm* *dhokla*. In this, the *dhokla*, which comes from a complex batter made with rice, a mix of lentils, millet and black gram, is spiced and steamed in almond or banyan leaves.

During monsoons, when turmeric leaves grow in abundance, Konkani homes often feast on *patholi*, sweet rice dumplings stuffed with coconut and jaggery and steamed in turmeric leaves. The turmeric leaves release their

heady aroma that seeps into the *patholi*, giving them a delicious, floral undertone. Turmeric leaves are, in fact, used widely across the country. Take, for instance, Odisha's iconic *Enduri piba* that appears everywhere, from Orissa folktales to Lord Jagannatha's breakfast platter. Rice and *urad dal* batter is layered with cardamom-scented sweetened

coconut on turmeric leaves, sealed and steamed, traditionally in clay pots. "The *Enduri* is a must on *Prathamashami*, an autumnal celebration, honouring the first-born child," said Mumbai-based home-chef Sweta Mohanty. "Typically, the sweet *Enduri* is prepared with spicy Orissa-style mutton curry or *dalma*, a lentil and vegetable dish."

In Manipur, *Paknam* or savoury cakes, made with anything from chickpea flour and chives to banana blossom or fish, typically flavoured with *ngari* (fermented fish), packed into turmeric leaf parcels and steamed, are popular as street food. "In Assam, we use turmeric leaves to wrap and cook fish in," said chef Kashmiri Barkakati Nath. At her

Weedless Wednesday

weedless Wednesday is a special day encouraging smokers to take a break from cannabis for 24 hours. This event, part of Non-Smoking Week, aims to boost awareness about the health risks linked to the use of marijuana. It's a chance for smokers and other marijuana users to experience the immediate benefits of quitting, even if it's just for a day. This brief pause can kickstart longer-term efforts to quit entirely. Celebrating Weedless Wednesday highlights the importance of healthy choices and the dangers of smoking.



In India, as is in most tropical countries, where banana trees abound, the large, waxy and versatile leaves are used prolifically to wrap and cook food in and eat on. Think Parsi *Patrani Machhi*, Kerala's spicy *porichathus* and Gujarati *panki* (pancakes steamed between banana leaves). But it's not the only leaf used in the country to cook food in. From sal to turmeric, to rare local varieties steeped in medicinal properties, India uses a wide variety of leaves to cook food in.



grandmother's home, small anchovy-like fish, locally called *Moamas*, were marinated with a little ginger, some green chilies, salt and a splash of mustard oil, wrapped in turmeric leaves, and thrown into the hearth to roast unharmed.

Besides, rice is often steamed in different kinds of indigenous leaves like the *koupar* or the antibacterial Alpina leaves in the North East. It also makes an appearance on award-winning chef Aminder Sandhu's sophisticated menu at Arth in Mumbai. Sandhu serves her Jasmine rice, packed in fragrant Alpina leaves, with *Deomali*, which is mutton, smoked in bamboo on charcoal. The result is a fragrant feast.

Between January and May, when val beans are harvested in Maharashtra, many rural communities organise *poppi parties*. The festivities pivot on a curious one-pot dish. Val beans, boiled eggs, seasonal vegetables like potatoes and brinjal, and meat marinated with spices, are packed into a clay pot, which is lined with the medicinal *Bhambrut* leaves. The pot is

then sealed and upended in a shallow pit with a fire built on it. Leaf wraps have other uses too. In Mizoram, *bekang* is made out of soybean, that is soaked in water and boiled until soft, before being swathed in fresh leaves of *hnaithal*. It is then placed in bamboo baskets and left in a warm place to ferment over three days. *Bekang* is used to make spicy curries or eaten on its own. The curries are also *Singauri*, an iconic Kumaoni sweetmeat. It is made with *khoya* and coconut, and comes bundled in tender *Maala* leaves, which are shaped into cones. The leaves grow in abundance on the slopes of Uttarakhand. The *maala* leaves act as a vessel for the sweets, while imparting, what many claim, a subtle, camphor-like scent.

In Bengal, the best-known leaf-wrapped dish is, perhaps, the *paturi*, a mustard-laced fish, steamed in banana leaves, which gives the dish a mild, woody finish. Other leaves, like those of a bottle gourd or pumpkin, are also used. Such is the popularity of *paturi* that it recently made a flaming hot appearance on celebrity chef Gagan Anand's exclusive and exorbitant pop-up menus, served up at select locations across India.

Leaves are used extensively to cook seafood in Bengal. Mustard-laced *hisa*, steamed in pumpkin leaves, and prawns, steamed in bottle-gourd leaf parcels, are coveted delicacies. A rather intriguing recipe from erstwhile East Bengal has fermented fish enclosed in pumpkin or ash gourd leaves, dipped in a thin chickpea batter and deep fried until crisp. Paturi's Oriya cousin is the *Patra Para*, which literally means 'steamed in leaves.' "We prefer edible leaves like pumpkin leaves or *arbi* leaves to wrap fish or prawns in," said Mohanty. "Traditionally, these would be roasted in a charcoal-fuelled hearth. Nowadays, we steam or pan-fry the leafy parcels."

In Odisha, the abundant *sal* leaves are used to wrap and roast food in. In fact, *Chhena poda*, easily the state's best-known sweetmeat, is baked in sal leaves, which gives the cardamom-scented cottage cheese cake a distinct aroma. In Madhya Pradesh, a flatbread, called *paniya*, is cooked while being pressed between leaves of the crown flower tree, or even *khakhra* leaves.

What's interesting is how a rustic culinary practice has found a place everywhere, from traditional kitchens around India to sophisticated gourmet menus, from royal recipe archives to catching the fancy of ingenious chefs. As culinary writer, Arilyn Beaumont, writes in her essay, *Leaves Make things Steamy*, "Cooking in leaves is one of the humanity's simplest and most elegant culinary ideas. Its ubiquity unites us. The myriad ways, in which we adapt the same basic principle, is what makes food interesting."

rajeshsharma1049@gmail.com

#JAIPUR DOG SHOW

A Tail-Wagging Winter Extravaganza

A celebration of wagging tails and unbreakable bonds, the 26th Jaipur Dog Show brought together over 500 dogs from across the country in a lively winter spectacle. From dazzling ramp walks to an inspiring Indie puppy adoption drive, the event showcased not just competition, but a heartfelt celebration of love and loyalty that dogs bring to our lives.



Tusharika Singh
Freelancer Writer
and City Blogger

As Jaipur's winter sun gently warmed the weekend, the Dussehra Ground in Raja Park came alive with wagging tails, joyful barks, and an air of excitement. The 26th Jaipur Dog Show turned an ordinary weekend into an extraordinary spectacle, where dogs and their owners competed for the ultimate title of champions. More than 500 dogs from across the country strutted their stuff, each aiming to win hearts and accolades in a celebration that combined elegance, energy, and an undeniable love for animals.



Dogs Take Center Stage

With every playful leap and graceful stride, dogs of all sizes and breeds showcased their finest qualities to the audience. *Siberian Huskies* with their icy blue eyes, *Afghan Hounds* with their regal demeanour, and *French Bulldogs* exuding charm were just a few of the unique breeds on display. Each canine competitor was judged meticulously by international experts from Singapore and Malaysia. The criteria?

Fashion Meets Fur

Adding a glamorous twist to the event, a fashion ramp walk, featuring dogs and models, was a clear crowd-pleaser. Organized under the guidance of Viren Sharma, Secretary of the Rajasthan Chapter of the Kennel Club of India, the segment seamlessly combined style with a heart-warming message. Models sashayed down the runway accom-

panied by Labradors, German Shepherds, Pugs, and Golden Retrievers. The dogs, dressed in their finest collars and accessories, exuded a natural charisma that stole the show. Beyond the glitz, the event aimed to foster greater awareness about animal love and care, proving that fashion and compassion can indeed go hand-in-hand.

Indie Puppies Steal the Show

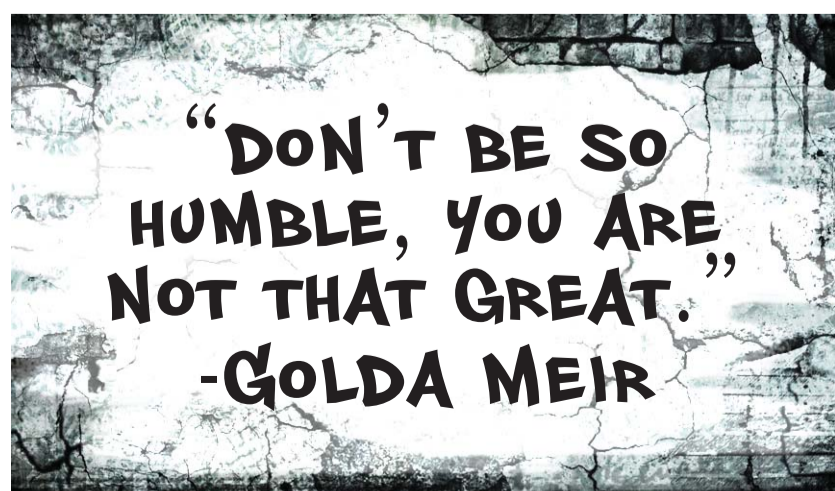
However, the true heroes of the day were not just the purebred champions or the ramp stars. Amidst the crowd and competition, a quieter, yet profoundly impactful, story unfolded. An adoption camp for Indie puppies, those often overlooked in favour of exotic breeds, saw an outpouring of affection from Jaipurites. More than 107 Indie puppies found their forever homes during the event, a testament to the growing awareness and empathy towards local breeds. For many families, adopting an Indie puppy was not just an act of kindness, but also a commitment to embracing a lifelong bond.

Celebrating Bonds Beyond Breeds

John Grogan, author of *Marley & Me*, once wrote, "A dog has no use for fancy cars, big homes, or designer clothes. A waterlogged stick will do just fine. A dog doesn't care if you're rich or poor, clever or dull, smart or dumb. Give him your heart, and he'll give you his." The Jaipur Dog Show encapsulated this sentiment perfectly, celebrating not just the beauty and skill of the dogs, but also the unconditional love and loyalty that they bring to their human companions. This weekend was not just about showcasing the best breeds, it was also about cherishing the timeless bond between dogs and their people. The Jaipur Dog Show proved that beyond trophies and accolades, real victory lies in the unconditional love and companionship that dogs bring to our lives.



THE WALL



BABY BLUES



By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS



By Jerry Scott & Jim Borgman

संक्षिप्त

शर्मा का किया सम्मान

श्रीमाधोपुर। डॉ. पंकज शर्मा ने श्रीमाधोपुर के खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण किया। मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया। डॉ. शर्मा ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी के लिए प्रतिबद्धता जताई। तात्कालिक कार्यवाहक बीसीएमओ डॉ. राजेश मंगावा ने शर्मा को कार्यभार ग्रहण करवाया और सम्मान किया। डॉ. शर्मा ने कहा कि उनका उद्देश्य प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को सुदृढ़ करना है। इस दौरान विश्वनाथ शर्मा सहित प्रबुद्धजन एवं ब्लॉक के कार्मिकगण मौजूद रहे।

अवैध बजरी के दो ट्रैक्टर-ट्राली जप्त

टोंका। दूनी थाना क्षेत्र में अवैध बजरी खनन के विरुद्ध कार्यवाही करते थाना पुलिस ने दो ट्रैक्टर-ट्राली जप्त किया। थानाधिकारी हेमन्त जनागल ने बताया कि थाने की गठित विशेष टीम ने दौरान गश्त राजमहल पेट्रोल पम्प के पीछे से अवैध बजरी खनन कर परिवहन करते दो बजरी से भरी ट्रैक्टर ट्रालियों को जप्त किया। चालक व मलिक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है। इसी प्रकार थाना पुलिस द्वारा दौरान गश्त करचा दूनी से तेज आवाज मे टेप बजाते हुए पिकअप चालक रोशन लाल सैनी पुत्र रामस्वरूप जाति माली निवासी बांदीकुई रोड सिकन्दरा थाना सिकन्दरा जिला दौसा को गिरफ्तार कर टेप मशीन को जप्त किया गया।

पवन जैन संगम बने ब्लॉक अध्यक्ष

मालपुरा। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश गुप्ता ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रवि अग्रवाल निवाड़ी, प्रदेश अध्यक्ष गिरिश गर्ग के निर्देश पर मालपुरा ब्लॉक अध्यक्ष पद पर पवन जैन संगम की नियुक्ति की घोषणा की। साथ ही संगम को 15 दिवस में अपनी कार्यकारिणी के गठन करने हेतु नियुक्त किया गया। समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रणी रहने वाले पवन जैन संगम रोटरी ग्रीन से अनेक पदाधिकारी के साथ-साथ अनेक सामाजिक संगठनों में अपनी सेवाएं दी है। संगम को नियुक्ति पर भागचन्द गणवरियर,रघुनन्दन, अशोक लावा, आदि ने हर्ष व्यक्त कर प्रदेश व जिला संगठन का आभार व्यक्त किया।

छात्र छात्राओं को जुराब वितरण

श्रीमाधोपुर। निकटवर्ती ग्राम सिहोडी की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक चन्द्र प्रकाश सैनी द्वारा कक्षा एक से बारह तक के समस्त 226 छात्र- छात्राओं को जुराब वितरण किए गए।प्रधानाचार्य राकेश कुमार कुलदीप ने बताया कि सैनी ने शिक्षा विभाग द्वारा जिला स्तरीय सम्मान पुरस्कार के रूप में प्राप्त ग्यारह हजार रुपय का विद्यार्थियों के लिए सदुपयोग करते हुए सर्दी के मौसम में जुराब वितरण किए हैं, जो अनुकरणीय है,उनको विद्यालय परिवार की ओर से धन्यवाद एवं आशा है कि समस्त विद्यालय परिवार इसी प्रकार छात्र छात्राओं और विद्यार्थियों के लिए तत्पर रहेगा।इस अवसर पर सतीश चन्द्र, सुरेंद्र शर्मा सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।कार्यक्रम का विद्यालय राजेश कुमार मिश्रा ने किया।

पलेई में निकाली जागृति रथयात्रा

निवाड़ी। ग्राम पंचायत पलेई में मंगलवार को किसान महापंचायत जिलाध्यक्ष गोपीलाल जादव की अध्यक्षता में 29 जनवरी को आयोजित गांव बंद आन्दोलन के लिए जागृति रथ यात्रा निकाली गई। जो टोंक जिले के विभिन्न गांवों में पहुंचेगी। पलेई में महिलाओं ने भी भागीदारी निभाई। इस अवसर पर युवा प्रदेशाध्यक्ष किसान महापंचायत रामेश्वरप्रसाद चौधरी, जिला उपाध्यक्ष सीताराम, मीरा देवी, तुलसा देवी व रमेशी सहित कई किसान मौजूद थे।

तीन सदस्यों का हुआ मनोनयन

चौमू / कालाडेर। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति उपभोक्ता मामले विभाग राजस्थान सरकार द्वारा विधानसभा क्षेत्र चौमू में उचित मूल्य दुकान आवंटन सलाहकार समिति (शहरी स्तरीय समिति) में तैर सरकारी सदस्यों का मनोनयन किया गया है। सलाहकार समिति में बाबूलाल कुमावत निवासी वाई नं.04, चौमू, बनवारी लाल शर्मा निवासी चौमू और नंदलाल सोरेला निवासी वाई नं. 38 चौमू को मनोनीत किया गया है।

‘आपका विधायक आपके द्वार’ कार्यक्रम में विधायक धनकड़ ने की जनसुनवाई

पावटा। विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड़ आपके विधायक आपके द्वार कार्यक्रम के तहत मंगलवार से पावटा प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र के पावटा कस्बे में जनता के बीच जाएंगे व जनता की जो स्थानीय व मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं सुनी।

वहीं विधायक धनकड़ जनता से उनकी समस्याओं पर चर्चा कर उनकी समस्याओं का संबंधित विभागों के अधिकारियों से समाधान के पूर्ण प्रयास करने के निर्देश देते हुए गांव-गांव पहुंचकर आमजन से चर्चा करते हुए सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से उन्हें अवगत करवाया। पावटा बालाजी मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र राठी व प्रागपुरा मंडल अध्यक्ष विकास सिंह शेखावत कैरोडी ने बताया कि आपके विधायक आपके द्वार कार्यक्रम के तहत मंगलवार को विधायक धनकड़ ने पावटा कस्बे के रामविकार शिव मंदिर, राज्यावाली नोकड़या चौगया, किशनलाल गुरुजी कॉलोनी, राठी मंदिर कॉलोनी सार्वजनिक चौक, ढाणी भारवाली सार्वजनिक चौक, ढाणी कादियान शिव मंदिर, बालनाथ कॉलोनी सागर कॉलेज के सामने, ढाणी

संविधान गौरव अभियान का आगाज आज

टोंका। दलित समाज को साथ लेकर जिला मुख्यालय पर बीजेपी द्वारा संविधान गौरव अभियान का आगाज किया जाना यहां सुनिश्चित किया गया है, जिसके मुख्य वक्ता बीजेपी के सांसद राव राजेंद्र सिंह होंगे। इस अभियान के सम्बन्ध में भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह मेहता ने बताया कि कांग्रेस ने संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का कभी सम्मान नहीं किया, पूर्व प्रधानमंत्री प. जवाहर लाल नेहरू ने हमेशा उनके बारे में दुष्प्रचार किया तथा उनको टिकट नहीं देकर संसद तक नहीं पहुंचने दिया। बाबा साहब सदा दलितशोषित वर्ग के लिए जीवनभर कार्य करते रहे। हमारी भाजपा सरकार ने ही बाबा साहब एवं उनके द्वारा बनाये गये संविधान को गौरव प्रधान किये जाने के लिए यह अभियान छोड़ा है। हमने संविधान के आदेशों के तहत ही अयोध्या में राम मंदिर बनाया है, धारा 370 हटाई व पंचतीर्थ बनाये, हमारी भाजपा सरकार ही संविधान का अक्षरक्ष पालन करती है। कांग्रेस ने संविधान का दुर्पयोग जितना किया उतना किसी ने नहीं किया, राहुल गांधी जिस संविधान का तंगा लिये चुमते है, जबकी दलितशोषित वर्ग के लिए हमारी सरकार ही कार्य करती आयी है।

एक साल में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने दिलाई बड़ी सौगातें : रामहेत

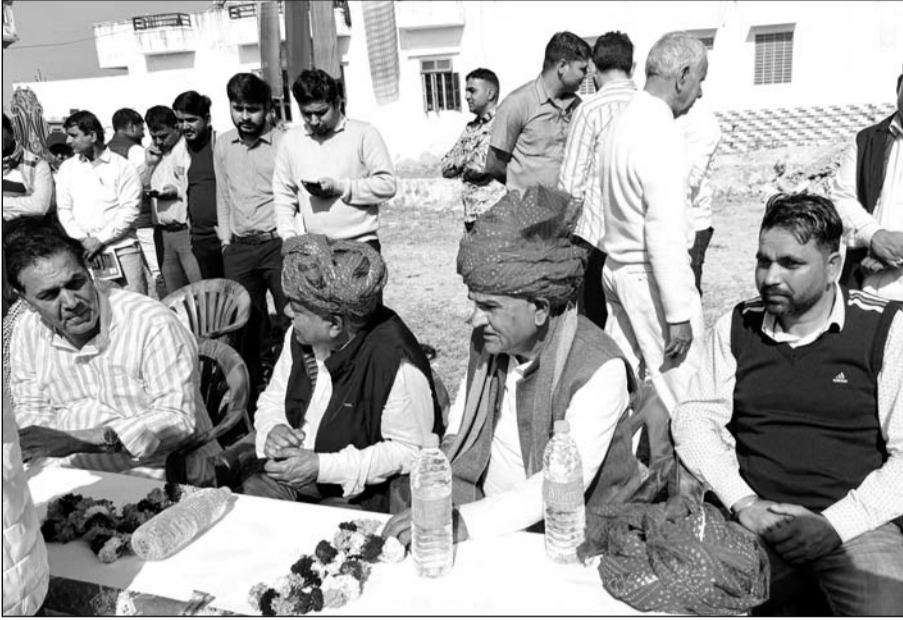
किशनगढ़बास। पूर्व विधायक रामहेत यादव की अध्यक्षता में अनाज मंडी स्थित कार्यालय पर भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित हुई। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष तारामिथल सिंचल प्रतिनिधि भाजपा वरिष्ठ नेता सतीश सिंघल भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेश बटवाडा महिला मोर्चा जिला पदाधिकारी आशा गुप्ता भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज मित्तल महिला मोर्चा अध्यक्ष माया खंडेलवाल विश्वास यादव युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष पार्षद तेज सिंह सैनी सहित भाजपा नेता मौजूद रहे। बैठक का शुभारंभ पूर्व विधायक रामहेत यादव सहित भाजपा नेताओं ने महापुरुषों के चित्रों पर माल्यापर्ण कर किया गया।

बैठक में सरपंच खुशीराम यादव के निधन पर दो मिन्ट का मौन धारण कर उन्हें श्रद्धांजली दी गई। इस अवसर पर नवनविर्वाचित मण्डल अध्यक्ष

‘हॉर्टिकल्चर कार्य के नाम पर 57 लाख रुपए खर्च करने पर नहीं हुआ कार्य’

देवली। विकास कार्यों की आड़ में भ्रष्टाचार करने की बंद नियति देखनी हो तो देवली नगर पालिका के द्वारा करवाए गए कार्यों में साफ तौर पर देखी जा सकती है। इतना ही नहीं देवली नगर पालिका प्रशासन ने सरकारी धन का दुरुपयोग करने नियत पर अपने चहते ठेकेदार को लाखों का फायदा पहुंचा डालातो वहीं देवली शहर वासियों को गुमराह भी किया गया।

जी हां सूत्रों से मिली जानकारी पर ऐसा ही एक मामला यहां सामने आया है। हुआ यह की देवली नगर पालिका अधिशासी अधिकारी कार्यालय ने शहर में हॉर्टिकल्चर कार्य करवाने के लिए 38 लाख 7 हजार और 18 लाख 90 हजार लगभग 57 लाख रुपए खर्च करने की योजना बनाई। और उक्त राशि को खर्च खर्च भी किया गया। इसके लिए पालिका प्रशासन ने 25 मार्च 2022



कार्यक्रम के तहत जनसुनवाई करते विधायक धनकड़।

धामाकाला पटान बाबा का मंदिर, शिवनगर हनुमान जी का मंदिर, जोहड़ा धाम पवुहारिदास मंदिर, प्रजापति मोहल्ला जनाना अस्पताल रोड, वाल्मीकि मोहल्ला धर्मशाला, जनाना

अस्पताल कॉलोनी सार्वजनिक चौक, मोदी फैक्ट्री कॉलोनी, सैनियों की ढाणी हॉस्पिटल के सामने शिव मंदिर में ग्रामीणों के बीच जाकर जनसुनवाई की। इस दौरान विधायक धनकड़ का विभिन्न

जगहों पर ग्रामीणों द्वारा जगह-जगह माल्यार्पण करते हुए साफा बांधकर स्वागत किया गया। इस मौके पर विधायक कुलदीप धनकड़ ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए

सड़क की मांग को लेकर युवाओं ने निकाली 16 किलो मीटर की बाइक रैली

श्रीमाधोपुर। अजितगढ़ से रिंगस भेरूजी मोड़ तक फोरलेन सड़क बनाने की मांग ने जोर पकड़ लिया है। इस मांग को लेकर मंगलवार को सैकड़ों युवाओं ने गांधीवादी तरीके से 16 किलोमीटर लंबी बाइक रैली निकाली। भाजपा नेता श्याम चौधरी के नेतृत्व में युवाओं ने इस मुद्दे को उठाते हुए एसडीएम अनिल कुमार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

सौंपा। यह मार्ग क्षेत्र का एक व्यस्ततम सड़क मार्ग है, जहां हर दिन भारी यातायात और दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ता है। स्थानीय युवाओं का कहना है कि यह सड़क न केवल क्षेत्रीय विकास में सहायक होगी, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं पर भी प्रभावी अंकुश लगेगा। फोरलेन सड़क बनने से यातायात सुगम होगा और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। युवाओं ने अपनी मांग शार्तिपूर्ण



श्याम चौधरी के नेतृत्व में युवाओं ने इस मुद्दे को उठाते हुए एसडीएम अनिल कुमार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

और संगठित तरीके से रखते हुए गांधीवादी मार्ग अपनाया। बाइक रैली के जरिए उन्होंने लोगों को इस मुद्दे के प्रति जागरूक किया। रैली में शामिल युवाओं ने हाथों में तिरंगे लेकर सड़क निर्माण की मांग को बुलंद किया। उनका कहना था कि इस सड़क का फोरलेन होना लंबे समय से क्षेत्र की जरूरत है। भाजपा नेता श्याम चौधरी ने इस आंदोलन का नेतृत्व करते हुए कहा कि यह सड़क न

केवल स्थानीय जनता के लिए आवश्यक है, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। रैली के समापन पर एसडीएम अनिल कुमार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में यह स्पष्ट किया गया कि अगर फोरलेन सड़क की मांग को नजर अंदाज किया गया, तो आंदोलन की ओर बढ़ा रूप दिया जाएगा।

विधायक धनकड़ ने जनसुनवाई में जनता की स्थानीय व मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं सुनी

कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे यही सरकार की सोच है। ग्रामीण सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लें। ग्रामीण सरकार की योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बनें। कार्यक्रम के दौरान पावटा खंड अधिकारी कपिल उपाध्याय, तहसीलदार संजय खेड्ड, अधिशासी अधिकारी फतेह सिंह मीणा, जलदाय विभाग, विद्युत विभाग, चिकित्सा विभाग सहित अन्य विभागों की टीम व पावटा बालाजी मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र राठी, कोटपुतली दक्षिण भोनावास मंडल अध्यक्ष राजेंद्र अदानी, पावटा प्रधान प्रतिनिधि जगन चौधरी, चैयारमेन प्रतिनिधि निर्मल पंसारी, बन्नी प्रसाद चौहान, रोहिताश ताखड, मनोहर सिंह, महेश राठी, योगेश शर्मा, नरेश यादव, गाडाराम, सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कलश यात्रा में उमड़े श्रद्धालु

निवाड़ी। गांव खेड़ी गोकुलपुरा में महामंडलेश्वर विष्णुशरणदास महाराज के सानिध्य में सप्त दिवसीय श्रीमद भागवत कथा ज्ञान गंगा का आयोजन भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। महामंडलेश्वर विष्णुशरणदास ने बताया कि श्रीमद भागवत कथा का शुभारंभ करने सम्राट् जो श्रेष्ठ प्रकाशदास महाराज, आचार्यनीरज कुमार, भूतेश्वर महादेव मंदिर के महेश महाराज सहित कई साधु संतों के सहित युवाओं में विशाल कलशयात्रा के साथ किया। कलश यात्रा का श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्प वर्षा करके स्वागत किया। इस दौरान कलशयात्रा में श्रद्धालुओं ने डीजे के मधुर ध्वजों पर जमकर भक्तिनृत्य किया। कलश यात्रा मुख्य मार्गों से होते हुए कथा स्थल पहुंचेगी। जहां विद्वान पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ कलशों की स्थापना की गई। मंत्रोच्चार से आस-पास का वातावरण गुंजायमान हो उठा। इस अवसर पर नवानासिंह राठी, अजीतसिंह राठी, रुद्र बजा, जुली राठी, हितांशुप्रताप सिंह, कमला तोमर, मालती राजपूत, दयासागर राजपूत, हरकिशनसिंह राजपूत, हर्ष कुमारी, ताराचंद महर, सहित कई श्रद्धालु मौजूद रहे।

सांभर लवणीय झील में असहज हो रहे प्रवासी पक्षियों को खतरा

सांभरझील, (निर्स)। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (पर्यावरण अदालत) की आदेश की बावजूद पर्यटन महोत्सव की आड में बेटलैंड क्षेत्र में कुछ ऐसी गतिविधियां संचालित की जा रही है जो प्रवासी पक्षियों को अब असहज महसूस होने लगा है। शांत वातावरण में लवणीय झील में अनेकों प्रजातियों के अति संवेदनशील पक्षी हर वर्ष यहां पर आते हैं, जिन्हें निहारेने के लिए देश-विदेश से यहां पर्यटकों का आना-जाना रहता है। यद्यपि पर्यटन महोत्सव अभी शुरू नहीं हुआ है लेकिन आर्थिक उपार्जन के लिए यहां पर गतिविधियों की जा रही है उससे रामसर साइट, बेटलैंड अब खतरे में है। सांभर में पर्यटन विभाग द्वारा 24 से 28 जनवरी तक झील तल पैरालाईडिंग, पैरामोटिंग, एटीबी राइड्स और जीप सफारी जैसी गतिविधियां नहीं हो इसके लिए न्यायालय की ओर से प्रतिबंधित किया गया है, लेकिन इसको दरकिनार करते हुए, बताया

नम भूमि क्षेत्र में हो रही है प्रतिबंधित गतिविधियां

जा रहा है कि कुछ दिनों से यह सब कुछ हो रहा है, जो कथित तौर पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (परजाटी) के मानदंडों का उल्लंघन है। पक्षी प्रेमियों व आम लोगों का मानना है कि यदि इस प्रकार पर्यटन महोत्सव की आड में यदि ऐसा काम किया जा रहा है तो इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि प्रवासी पक्षियों को यहां आने में भी डर लगे और कहीं उनकी संख्या कम ना हो जाए। पर्यावरणविदों ने चिंता व्यक्त की है कि इस गड़बडी से राजहंस और अन्य प्रवासी पक्षियों के झुंड हमेशा के लिए दूर हो सकते हैं। यद्यपि विभाग पूर्व में पर्यावरणविद आदि अली को पर लिखकर विश्वास दिलाया था कि इस प्रकार की गतिविधियां संचालित नहीं होंगी जिससे पक्षियों को कोई खतरा महसूस हो।

सार-समाचार

रत्ना कुमारी ने राष्ट्रीय महासचिव के पक्ष में मतदान करने की अपील की



शाहपुरा। भाजपा नेत्री रत्ना कुमारी शाहपुरा पिछले 5 दिन से दिल्ली विधानसभा चुनाव के प्रवास पर है। प्रवास के दौरान उन्होंने करीब बाग विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी एवं पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव दुर्धत कुमार गौतम के पक्ष में मतदान करने की अपील की। रत्ना कुमारी ने क्षेत्र का दौरा कर लोगों को भाजपा की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में अवगत कराया उन्होंने बताया कि अबकी बार दिल्ली में डबल इंजन की सरकार बनेगी तो भाजपा ने जो वादे किए हैं वो सरकार बनते ही पूरे होंगे। बहलू कामगारों के लिए वेलेफेयर बोर्ड का गठन किया जाएगा, उनके लिए 10 लाख का जीवन बीमा, 5 लाख का दुर्घटना बीमा, उनके बच्चों के लिए छात्रवृत्ति और 6 महीने की पेड मेट्रिनिटी लीव का प्रावधान किया जाएगा। आंटी - टेकसी चालकों के लिए वेल्फेयर बोर्ड का गठन किया जाएगा, उन्हें 10 लाख का जीवन बीमा, 5 लाख का दुर्घटना बीमा एवं वाहन बीमा और उनके बच्चों के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। सरकारी शिक्षण संस्थानों में दिल्ली के जरूरतमंद छात्रों को से तक की मुफ्त शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश के 25 करोड़ गरीब परिवार गरीबी से ऊपर उठे हैं। लोगों के जीवन स्तर में व्यापक बदलाव हुए हैं। इसी के साथ पीएम आवास योजनानर्गत देश के 3 करोड़ से अधिक परिवारों को पक्के आवास मुहैया करवाए गए हैं। महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाने की सोच के साथ उज्ज्वला योजना में उन्हें मुफ्त गैस सिलिण्डर प्रदान किए गए, पीएम मुद्रा योजना व एमएसएमई की रिपोर्ट के अनुसार श्रृण लेकर स्वयं का व्यवसाय शुरू कर आत्मनिर्भर बनकर देश की अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ीकरण में 60 प्रतिशत महिलाओं ने अपनी भागीदारी निभाई है। राजीविका के लखपति दीदी कार्यक्रम से देश की 3 करोड़ महिलाओं के साथ प्रदेश की 5 लाख महिलाओं के जीवन स्तर में व्यापक सुधार होगा जो देश की अर्थव्यवस्था में सहयोग मिलेगा।

बाजार में आवारा कुत्तों का आतंक

फुलैरा। फुलैरा कस्बे में पिछले कई वर्षों से आवारा कुत्तों का आतंक छाया हुआ है। इसके चलते नगर पालिका के हर वार्ड में कुत्तों के झुण्ड के झुण्ड देखने को मिल रहे हैं। इसके बावजूद भी प्रशासन बेखबर होकर बैठा है। इसके चलते आमजन में आवारा कुत्तों को लेकर भय व्याप्त है। क्योंकि यह कुत्ते पैदल चलने वाले राहगीरों व साईकिल तथा मोटरसाइकिल सवारों के अनाक गिछे भागते हैं। इस वे हड़बड़ा कर गिर जाते हैं, अथवा अन्य किसी वाहन से टकराकर गिर जाते हैं। इससे वह गंभीर रूप से चोटिल हो जाते हैं। गौरतलब है कि इसी तरह आवारा कुत्तों का झुण्ड अब फुलैरा के मुख्य बाजार में भी देखने मिल रहे हैं। इसके लेकर स्थानीय प्रशासन बेखबर होकर बैठा है, या यूं कहें कि शायद कोई बड़ी अगहनी का इन्तजार कर रहा है। जबकि उक्त समस्या को लेकर कई संगठनों ने समय-समय पर प्रशासन को अवगत करवाया है। इसके बावजूद भी प्रशासन किसी तरह की कार्यवाही करने की पहल ही नहीं करता है। जानकारी के अनुसार स्थानीय चिकित्सालय में प्रतिमाह डॉंगबाइट के 60-65 सख्त आ रहे हैं। इसके चलते कई बार तो डॉंगबाइट के इंजेक्शन भी नहीं पर उलटबन्ध नहीं होते हैं। इसके चलते उक्त घायल रोगी को इंजेक्शन के लिए जयपुर जाने की बाध्यता बनी रहती है।

ऑनलाइन ठगी का आरोपी गिरफ्तार

बौली-बामनवास। सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता के निर्देशानुसार ने चलाए जा रहे साइबर शोल्ड एंटीवायरस अभियान के तहत बौली थाना प्रभारी राधा रमण गुप्ता के नेतृत्व में गठित टोली में शामिल सहायक उप निरीक्षक रूप सिंह, हेड कांस्टेबल धर्मेन्द्र चौधरी, कांस्टेबल मुकेश कुमार एवं शीशराम की टीम ने साइबर सेल सवाई माधोपुर व साइबर पोर्टल से प्राप्त सूचना के आधार पर आरोपी विनोद कुमार मीणा उम्र 25 वर्ष निवासी बहनीली को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से दो एंड्राइड मोबाइल 5 सिम कार्ड एक बैंक डायरी जब्त की गई है। आरोपी के खिलाफ बौली पुलिस थाने में विभिन्न धाराओं सहित आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है। आरोपी द्वारा उपयोग में लिए जा रहे हैं बैंक खाता से अनुसंधान करने पर विभिन्न खातों से करीब 12 लाख रुपय खाते में ट्रांजेक्शन मिला है। आरोपी द्वारा विभिन्न मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से ऑनलाइन सट्टा से पैसा डबल, ट्रिपल करने का झांसा देकर ऑनलाइन ठगी की जा रही थी।सट्टा चैनल बनाकर ऑनलाइन ठगी का आरोपी गिरफ्तार

मस्से का दूरबीन से सफलतापूर्वक इलाज किया

देवली। शहर में कोटा रोड स्थित अंकुर ईंएनटी हॉस्पिटल में नाक के मस्से का एंडोस्कोपिक सर्जरी से सफल इलाज किया गया। ईंएनटी विशेषज्ञ डॉ.गौरव व्यास ने बताया कि मरीज हरकिशन निवासी गेरोली को विगत 6 महीने से नाक की बीमारी से परेशान था।जिसके चलते नाक बंद होना, बहना,सांस में तकलीफ,सिरदर्द,अनिद्रा,भूख और सुगंध का कम होना, नाक से खून बहना और साइनस पर दबाव के कारण परेशान था। नाक से खून बहने के कारण तीन दिनों तक अन्य अस्पताल में भर्ती रहालीकिन आराम नहीं मिला। आस पास की सभी जगह दवाओं के बाद मरीज परेशान होकर विगत माह दिसंबर में यहां अंकुर ईंएनटी हॉस्पिटल में आया। सभी जांच करने के बाद नाक के साइनस (मेगिजरी साइनस) में मस्सा होना पाया। मरीज को जिसको एक दिन के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया उसके बाद एंडोस्कोपिक सर्जरी (बिना कोई चीरा फाड़ी) के मेगिजरी साइनस से सभी मस्सो तीन गुणा तीन सेंमी साइज को एक एक करके बाहर निकाला गया। मरीज को एक दिन देखरेग में रखकर छुट्टी की गई।आंतरिक वाद पट्टी खोलने के मरीज से बात में बताया की वह पुरानी परेशानियों से मुक्त है। इस कार्य के लिए डॉ गौरव एवं हॉस्पिटल की पूरी टीम को धन्यवाद किया।

त्रिलोक चन्द बने मालपुरा पत्रकार संघ अध्यक्ष

मालपुरा। जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान जार के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजकुमार करनानी व टोंक जिलाध्यक्ष भगवान सहाय शर्मा के निर्देशानुसार मंगलवार को मालपुरा मुख्यालय पर पत्रकार संघ की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मौजूद पत्रकारों ने मालपुरा ब्लॉक की जार कार्यकारिणी का गठन किया जिसमें त्रिलोक चन्द श्रीमाल को मालपुरा जार ब्लॉक अध्यक्ष मनोनीत किया गया। नवीन अध्यक्ष श्रीमाल ने अपनी कार्यकारिणी का गठन करते हुये संरक्षक रामजीलाल विजय, राकेश पारीक,वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रहलाद शर्मा,उपाध्यक्ष जितेन्द्र सिंह नरुका,रविच महेंद्र जैन,संगठन मंत्री लोकेश पारीक, कोषाध्यक्ष अर्पित पारीक,सहसचिव रवि शर्मा, को मनोनीत कर आशीष जैन,पवन टेलर,देवीशंकर सोनी, मुजाहिद हाशमी,को संगठन सदस्य नियुक्त किया गया। मौजूद पत्रकारों ने नवमनोनीत जार अध्यक्ष सहित कार्यकारिणी पदाधिकारियों का स्वागत कर एकजुट रहकर संगठन को मजबूती प्रदान करने का विश्वास दिलाया।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत,दूसरा घायल

बौली-बामनवास। क्षेत्र के खिरनी- बौली सड़क मार्ग पर एक थार जीप की टक्कर से बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।घायलों को खिरनी पुलिस एंबुलेंस की सहायता से सवाई माधोपुर जिला चिकित्सालय लेकर गई जहां पर बाइक सवार आहद उम्र 19 वर्ष निवासी खिरनी की रास्ते में ही मौत हो गई एवं दूसरे गंभीर घायल कैफ अली उम्र 18 वर्ष निवासी खिरनी का गंभीर अवस्था में सवाई माधोपुर जिला चिकित्सालय में इलाज चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बाइक सवार आहद अली व कैफअली बाइक से भाडौती से अपने गांव खिरनी आ रहे थे इसी दौरान सामने से आ रही थार जीप ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सहित दोनों उछल कर खेतों में जा गिरे एवं थार जीप अनियंत्रित होकर खेतों में कूद गई थार जीप चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने दोनों क्षितग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।



विकास कार्यों की आड़ में भ्रष्टाचार करने की बंद नियति देखनी हो तो देवली नगर पालिका के द्वारा करवाए गए कार्यों में साफ तौर पर देखी रही है।



को ई निविदा निकालकर दो अलग-अलग स्थान पर हॉर्टिकल्चर कार्य करने के लिए टेंडर जारी कर दिए थे। इस पर अभी हाल ही में सोमवार को मामला यह भी सामने आया कि उक्त दोनों स्थानों पर कृषि हॉर्टिकल्चर का कार्य करने की बजायपालिका प्रशासन ने सीधे-सीधे बाजार से पौधे और घास खरीद करवा कर शहीद स्मारक उद्यान और भरतपुर हाउस परिसर के बाहर एवं नगर पालिका परिसर के बाहर लगावा दिए। जबकि यहां हॉर्टिकल्चर कार्य

करने का टेंडर जारी किया गया था और इसी नीति के तहत कार्य होना था लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ।

इस मामले में सूत्रों से यह मामला सामने आया कि। पालिका प्रशासन ने इस कार्य पेढे 57 लाख रुपय की राशि खर्च कर डाली है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि पालिका प्रशासन ने हॉर्टिकल्चर के नाम टेंडर तो जारी किया। लेकिन हॉर्टिकल्चर कार्य नीति नियम तहत कार्य नहीं करवाया आखिर क्यों ? और बाजार से चंद लाख के पौधे और घास खरीद करवा कर दोनों उद्यानों लगवा दिए। ऐसे में नाम नहीं छापने की शर्त पर कृषि कार्य विशेषज्ञ ने जानकारी में बताया है कि कृषि कार्यों में हॉर्टिकल्चर कृषि कार्य यह भी एक शाखा है। जिसे हॉर्टिकल्चर (संशय विज्ञान) कार्य कहते हैं। और बागवानी भी कह सकते हैं।

MARUTI SUZUKI ARENA

EECO

MAKES EVERY JOURNEY SPECIAL



FUEL EFFICIENCY#

PETROL
19.71 km/l

CNG
26.78 km/kg

ESP COMES STANDARD



1.2L ADVANCED K-SERIES DUAL JET, DUAL VVT ENGINE



POWERFUL AIR CONDITIONER WITH HEATER



AVAILABLE IN 5 AND 7 SEATER



11+ SAFETY FEATURES WITH DUAL AIRBAGS



ELECTRONIC STABILITY PROGRAM

3 years

100 000 km WARRANTY*
EXTENDABLE UPTO 6 YEARS

SPECIAL OFFERS UP TO ₹38 100**



SCAN TO CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU



E-BOOK TODAY @ WWW.MARUTISUZUKI.COM

**Terms and conditions apply. Creative Visualization. #Fuel efficiency as certified by test agency under Rule 115 CMVR 1989. Black Glass on the vehicle is due to lighting effect. Features and accessories shown may not be a part of standard fitment. Images used are for illustration purposes only. For details on functioning of safety features, including airbags, kindly refer to the Owner's Manual. *3 years or 100 000 km whichever is earlier. **Scrapage bonus available against valid certificate of deposit.

EECO

